RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः39, सोमवार, 23 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

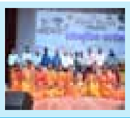

सरकारी विद्यालयों के बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का जलवा, बिहार दिवस पर उत्कृष्ट शिक्षक-छात्र... 03

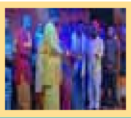

गुरहा में शतचंडी महायज्ञ व रामलीला का भव्य शुभारंभ, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह... 04

यंग जनरेशन की फेवरेट सिंगर ध्वनि भानुशाली ने छुए दिल के तार, गाना... 07

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के नाम दर्ज हुआ एक और रिकॉर्ड

- सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख बनने की मिली उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के राजनीतिक इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। वे भारत में सरकार के प्रमुख (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मिलाकर) के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राजनेता बन गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए प्रधानमंत्री को बधाई दी। आज

प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सरकार के प्रमुख के रूप में सार्वजनिक कार्यालय में 8,931 दिन पूरे कर पीएम मोदी ने यह नया मील का पत्थर स्थापित किया है। राजनाथ सिंह ने इसे देश के प्रति उनके अटूट समर्पण और राष्ट्र प्रथम की नीति का परिणाम बताया। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में प्रधानमंत्री के अब तक के सफर को रेखांकित करते हुए कहा कि पीएम मोदी का जीवन देश और उसके लोगों के प्रति पूर्ण भक्ति का उदाहरण है। उनके कार्यकाल की शुरुआत गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में हुई, जहां उन्होंने विकास के नए मानक स्थापित किए।

ज्ञानवापी का श्रृंगार गौरी मंदिर एक साल बाद खुला

- 2 किमी लंबी लाइन, महिलाएं बोलीं- ज्ञानवापी मुक्त करो

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी की ज्ञानवापी में मां श्रृंगार गौरी मंदिर के दर्शन के लिए रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दर्शन के लिए 2 किलोमीटर लंबी कतार लग गई। यह मंदिर हर साल चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन दर्शन के लिए खोला जाता है। यानी, अब यह मंदिर अगले साल खुलेगा। ज्ञानवापी की वादी चार महिलाएं भी पूजा-अर्चना के लिए पहुंचीं। इन्होंने 'ज्ञानवापी मुक्त करो' के नारे लगाए। इन महिलाओं ने ज्ञानवापी के मंदिर होने का

दावा करते हुए कोर्ट में केस कर रखा है। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा घेरे में श्रद्धालुओं की एंट्री कराई गई। 25 मिनट की पूजा के दौरान श्रृंगार गौरी मंदिर के प्राचीन पत्थरों को सिंदूर-चंदन लगाया गया। मंत्र पढ़कर मां की आराधना की गई। श्रद्धालु शंखनाद और डमरू की गूंज के बीच 'हर-हर महादेव' के जयकारे लगाते रहे। ऑस्ट्रेलिया की मारिया भी माता के जयकारे लगाती रहीं। 1992 के बाद नियमित पूजा पर लगी रोक 1992 तक मां श्रृंगार गौरी का नियमित दर्शन-पूजन किया जाता था। अयोध्या में बाबरी विध्वंस के बाद सुरक्षा कारणों से नियमित दर्शन पर रोक लगा दी गई। इसके बाद साल में एक दिन चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन दर्शन के लिए मंदिर खोला जाने लगा।

छत्तीसगढ़ के खल्लारी मंदिर में बड़ा हादसा

- 200 फीट की ऊंचाई से गिरी रोपवे की ट्राली

महासमुंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रविवार को सुबह करीब 10.30 बजे रोप-वे का केबल अचानक टूट गया। ट्रॉली में सवार 5 श्रद्धालु 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरे। ट्रॉली पहाड़ी की चट्टान से टकराई। हादसे में एक युवती की मौत हो गई है। 4 गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पलात

रेफर किया गया। पांचों लोग चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन माता के दर्शन करने आए थे। दर्शन करके लौटते वक्त हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु दर्शन करके रोपवे से लौट रहे थे। केबल टूटने के बाद ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान से जा टकराई। इस जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालु दहशत में आ गए। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को निजी वाहनों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया। नवरात्रि के कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी।

- *9000 बच्चों ने पकड़ी किताबें, अंदरूनी इलाकों में भी बदला नजारा*

माओवाद की पाठशाला से लोकतंत्र के ककहरे की ओर बस्तर

जगदलपुर (एजेंसी)। सुबह का धुंधलका अभी पूरी तरह छंटा नहीं है। बीजापुर के घने जंगलों में महुए की गंध तैर रही है, ओस से भीगी घास पर आदिवासी महिलाओं के कदम महुआ बीनते हुए आगे बढ़ रहे हैं, तभी इस सन्नाटे को एक साफ लेकिन धीमी आवाज चीरती है- क ख ग यह किसी साधारण गांव से निकल रही आवाज नहीं है, बल्कि कभी माओवादियों की फैक्ट्री कहे जाने वाले बीजापुर के पेद्दाकोरमा की है, जहां पांच दशक तक बंदूक की गूंज ही पहचान थी। अब से कुछ माह पहले तक यहां एक झोपड़ी में माओवादी पाठशाला चलती थी,

जहां बच्चों को अक्षर नहीं, बारूद और बंदूक की भाषा सिखाई जाती थी। आज उसी जमीन पर सरकारी स्कूल की दीवारों से ककहरा की आवाज गूंज रही है।

इस बदलाव के केंद्र में हैं गांव के युवा विकेश कोड़मे जैसे 'शिक्षादूत', जिन्होंने घर-घर जाकर बच्चों को जोड़ा, भरोसा जगाया और स्कूल तक पहुंचाया। शुरुआत पेड़ों के नीचे और झोपड़ियों से हुई, अब पक्के स्कूल खड़े हो रहे हैं। इसी तरह भट्टीगुड़ा में जहां कभी माओवादियों का स्मारक डर की पहचान था, अब स्कूल की घंटी गूंजती है।

अंदरूनी इलाकों के 263 स्कूलों में फिर बजी घंटी

पेद्दाकोरमा, भट्टीगुड़ा, तुषवाल और गुण्डापुर जैसे अंदरूनी इलाकों में माओवादी हिंसा के दौर में 300 से अधिक स्कूल या तो बंद करा दिए गए या ध्वस्त कर दिए गए। 2019 में शुरू हुए स्कूल खोलो अभियान के साथ प्रशासन जब गांवों तक पहुंचा, तो सबसे बड़ी चुनौती इन्हें फिर से जीवित करना था। आज 263 स्कूल फिर से खुल चुके हैं, जहां 9,000 से ज्यादा बच्चे पढ़ाई करते हैं। साथ ही करीब 100 नए स्कूल भवन निर्माणाधीन हैं। हिंसा के बीच भी नहीं टूटा शिक्षादूतों का हौंसला जब एक ओर प्रशासन स्कूल खोलने में जुटा था, उसी समय माओवादी इन प्रयासों को कुचलने के लिए शिक्षादूतों को निशाना बना रहे थे। बीते चार-पांच वर्षों में 20 से अधिक शिक्षादूतों की हत्या की गई। जुलाई 2025 में पिल्लूर के विनोद माड़े और टेकामेटा के सुरेश मेटा को घर से उठाकर मार दिया गया। लक्ष्मण बरसे की परिवार के सामने हत्या कर दी गई।

पंचम मां स्कंदमाता

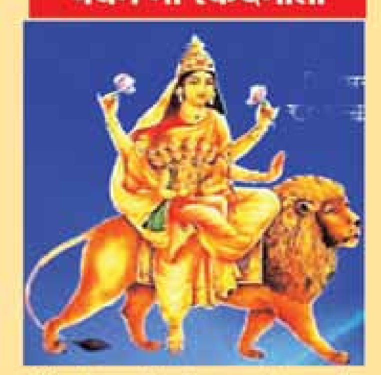

देवी मां का पांचवां रूप स्कंदमाता के नाम से प्रचलित है। भगवान् कार्तिकेय का एक नाम स्कन्द भी है जो ज्ञानशक्ति और कर्मशक्ति के एक साथ सूचक हैं। स्कन्द इन्हीं दोनों के मिश्रण का परिणाम है।

पश्चिम एशिया के हालात पर पीएम ने की बड़ी बैठक

शाह-नड्डा, पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद, गैस-तेल और ऊर्जा की स्थिति पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाई लेवल मीटिंग हुई।

इसमें पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू, रेल और आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव समेत अन्य सीनियर लीडर मौजूद रहे। इस बैठक एलपीजी संकट और क्रूड ऑयल पर चर्चा की गई।

उर्वरक क्षेत्रों से जुड़ी स्थिति की समीक्षा

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम, कच्चे तेल, गैस, बिजली और उर्वरक क्षेत्रों से जुड़ी स्थिति की समीक्षा करना था। इसके अलावा अधिकारियों को देश भर में इन जरूरी चीजों की निर्बाद आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने का भी निर्देश दिया गया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक सरकार देश भर में ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त कदम उठा रही है। पीएम से लेकर वरिष्ठ अधिकारी सभी इस मामले पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। देश में गैस और तेल की आपूर्ति निर्बाध होती रहे, इसी सिलसिले में कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से भी बात की थी।

घरेलू फ्लाइट्स का किराया आज से बढ़ा सकेंगी सभी एयरलाइंस

सरकार ने रोक हटाई, इंडिगो संकट के दौरान 18 हजार तय की थी अधिकतम सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश के मुताबिक यह फैसला कल 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं। आदेश में कहा गया पूरे सेक्टर में उड़ानों की क्षमता बहाल हो गई है तथा परिचालन सामान्य हो गया है। समीक्षा के बाद, यह फैसला किया गया है कि किराए पर लगाई गई सीमा को 23 मार्च, 2026 से हटा दिया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा- हवाई किराए पर नजर रख रहे

अपने आदेश में, मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बनाए रखना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा। मंत्रालय ने कगा कि एयरलाइंस यह सुनिश्चित करेंगी कि किराया उचित, पारदर्शी और बाजार की स्थितियों के अनुरूप हो, और यात्रियों के हितों पर कोई बुरा असर न पड़े। मंत्रालय ने कहा कि किराए में किसी भी तरह की अत्यधिक या अनुचित बढ़ोतरी को गभीरता से देखा जाएगा। मंत्रालय हवाई किराए के रुझानों पर नजर रखेगा।

असम में पुलिस कमांडो कैंप पर उग्रवादी हमला

- चार जवान हो गए हैं घायल, दागे गए पांच रॉकेट

तिनसुकिया (एजेंसी)। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार को बड़ा उग्रवादी हमला हुआ है। इसमें पुलिस कमांडो कैंप में ग्रेनेड फेंका गया। अधिकारियों ने बताया कि

हमले में चार जवान घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक अल्फा उग्रवादियों ने इस हमले को अंजाम दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हमला शनिवार देर रात करीब दो बजे हुआ और 20 मिनट तक चला। कैंप में मौजूद एक अधिकारी ने बताया कि करीब दो बजकर एक मिनट पर हमने पहला धमाका सुना। इसके बाद लगातार धमाकों की आवाज आती रही। संदेह है कि यह धमाके मोर्टार से हो रहे थे।

ईरान ने इजराइल पर दागीं 4 मिसाइलें, 300 घायल

- ट्रम्प ने होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इजराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था। यहां इजराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है। ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा- अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला

गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा।

- **खाड़ी देशों और ईरान के बीच बढ़ा तनाव बढ़ा-** खाड़ी सहयोग परिषद ने ईरान के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि खाड़ी देश सैन्य कार्रवाइयों में शामिल हैं। परिषद के महासचिव जासिम मोहम्मद अलबुदैइवी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया। अलबुदैइवी ने ईरान के खिलाफ कड़ा बयान देते हुए कहा कि वह खाड़ी देशों पर लगातार हमले कर रहा।

एलपीजी-तेल संकट जल्द दूर होने के आसार

- अमेरिका से एलपीजी, रूस से क्रूड लेकर भारत पहुंचा शिप
- फारस की खाड़ी में 22 जहाज सुरक्षित, ईरान कर रहा मदद

बेंगलुरु (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य एलपीजी कैरियर शिवालिक और एलपीजी नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को

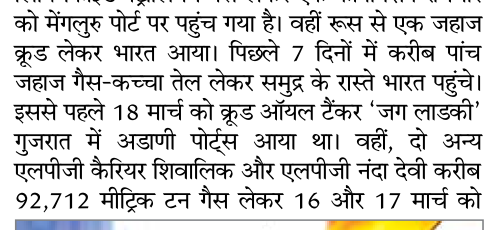

भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20 फीसदी ऑयल की सप्लाई होती है।

ईरानी नेवी ने होर्मुज पार कराया भारतीय जहाज - ईरानी नेवी ने 13 मार्च की रात को एक भारतीय जहाज को सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कराया था। एलपीजी लेकर आ रहा ये जहाज 10 दिन से फारस की खाड़ी में फंसा था। यह खबर ब्लूमबर्ग ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह काम भारत और ईरान के बीच बातचीत के बाद हुआ। जहाज को पहले से तय रास्ते से निकाला गया ताकि वह हमलों से बच सके। इस दौरान जहाज का ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिया गया था। हालांकि रिपोर्ट में इस जहाज का नाम नहीं बताया गया है। अभी तक दो भारतीय जहाज शिवालिक (16 मार्च) और नंदा देवी (17 मार्च) होर्मुज के रास्ते एलपीजी लेकर भारत पहुंचे हैं। वहीं फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनिया भर की करीब 20 फीसदी ऑयल की सप्लाई होती है।

भारत को अस्थिर करने की हो रही है साजिश!

- बांग्लादेश में रोहिंग्याओं को हथियारों की सप्लाई
- अमेरिका-तुर्की से जुड़ा कनेक्शन, जांच भी शुरू

ढाका (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर में बांग्लादेश और म्यांमार के बिगड़े हालात के कारण सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि चटगांव हिल ट्रैक्ट्स और बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थी इलाकों में सुरक्षा संकट पैदा हो सकता है। चटगांव हिल ट्रैक्ट्स बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित 13,184 वर्ग किमी का एक पहाड़ी क्षेत्र है, जिसमें रंगामाटी, खागराछड़ी और बंदरबन जिले शामिल हैं। ये इलाके पहले से ही अस्थिर रहे हैं, लेकिन रोहिंग्या शरणार्थियों की घुसपैठ और उन्हें हथियारों से लैस करने की

रिपोर्ट ने हालात की गंभीरता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों को आशंका है कि इसका सीधा असर पूर्वोत्तर भारत की शांति और स्थिरता पर पड़ सकता है।

रोहिंग्या लड़ाकों को हथियारों की सप्लाई

संडे गार्जियन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहिंग्या सशस्त्र समूहों को हथियारों से लैस किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि इन्हें हथियार देने वाले ऐसे लोग हैं, जिनका बांग्लादेश की नई-नवेली सरकार में बहुत ज्यादा प्रभाव है। रिपोर्ट में बांग्लादेश के वर्तमान विदेश मंत्री डॉ खलीलुर रहमान का नाम लिया गया है, जो इससे पहले मोहम्मद यूनुस की सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। खलीलुर रहमान एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जो यूनुस सरकार में रहने के बावजूद तारिक रहमान के साथ हैं।

बांग्लादेश में अमेरिकी दखल बढ़ा

रिपोर्ट में कहा गया है कि रणनीतिक और खुफिया समुदाय के कुछ वर्गों में यह राय है कि बांग्लादेश में हुए राजनीतिक परिवर्तन में बाहरी हस्तक्षेप के स्पष्ट संकेत मिलते हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में कार्यवाहक सरकार की स्थापना और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई शेख हसीना सरकार को हटाने के दौरान अमेरिका और उसके सहयोगी गुटों ने लगातार बड़ी भूमिका अदा की थी। रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि इस संदर्भ में, खलीलुर रहमान को अंतरिम चरण के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखा जाता है, जिसका मुख्य कारण वाशिंगटन है।

चटगांव में तुर्की भी बढ़ा रहा प्रभाव

इस बीच खुफिय इनपुट से संकेत मिले हैं कि चटगांव क्षेत्र के हालात तेजी से बदल रहे हैं। यह इलाका पहले से ही जातीय तनाव, उग्रवादी गतिविधियों और हथियारों की तस्करी के गहरे नेटवर्क के लिए बदनाम है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि, कॉक्स बाजार-चटगांव मार्ग पर सक्रिय रोहिंग्या उग्रवादी समूहों को हथियारों की आपूर्ति किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। रोहिंग्या समूहों को हथियार सप्लाई करने का उद्देश्य म्यांमार की सेना (तातमाडॉ) है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल की प्रैक्टिस छोड़, वैभव सूर्यवंशी ने थामा कैमरा हेलमेट उतारकर कहा-अपने हीरो को देख लो

पटना। IPL 2026 की तैयारियों को लेकर राजस्थान रॉयल्स टीम की ट्रेनिंग चल रही है। ट्रेनिंग सेशल के दौरान का वैभव सूर्यवंशी ने एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वैभव बल्ला छोड़ कैमरे पर हाथ आजमाते नजर आ रहे हैं। हाथ में कैमरा लिए वैभव कहते हैं, "कुछ तो काम करो, टाइम पास करने से अच्छा है।" इसके बाद अलग-अलग एंगल से ग्राउंड का शॉट बनाने लगते हैं। कुछ देर कैमरे पर हाथ आजमाने के बाद वैभव कैमरे को लॉक करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनसे लॉक नहीं होता। तब वैभव कहते हैं, "बहुत मुश्किल है ये।" इसके बाद वे अपना हेलमेट उतार देते हैं। हेलमेट उतारने के बाद वैभव ने कहा, "हेलमेट निकाल लेता हूं तभी तो देखोगे हीरो को।' इसके बाद फिर वह कैमरे से वीडियो बनाने लगते हैं। थोड़ी देर संघर्ष करने के बाद वैभव हार मान लेते हैं और कहते हैं, 'मेरे से ये सब नहीं होगा। मेरे लिए क्रिकेट ही ठीक है।" अब एक बार फिर से राजस्थान को वैभव से काफी उम्मीदें हैं। सोशल मीडिया X पर राजस्थान रॉयल्स ने वैभव का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वैभव IPL में 2 से 3 हजार बनाने की बात कह रहे हैं। दरअसल रिपोर्टर ने वैभव से पूछा- IPL 2026 में आपका लक्ष्य क्या है, आप कितने रन बनाना चाहते हैं और क्या ऑरेंज कैप जीतना चाहते हैं? इस पर वैभव ने हंसते हुए कहा, "ऐसे सवाल पूछेंगे तो मैं दो-तीन हजार रन बोल दूंगा।" उनका जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग ठहाके लगाने लगे। इसके बाद वैभव ने कहा, "मैंने कोई खास लक्ष्य तय नहीं किया है। प्रक्रिया का पालन कर रहा हूं और टीम के लिए ट्रॉफी जीतना चाहता हूं। मेरा कोई निजी लक्ष्य नहीं है। हम बस इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से आगे बढ़ रहे हैं।" इससे पहले BCCI ने नमन अवॉर्ड्स में वैभव ने अपने गोल के बारे में भी बताते हुए कहा, 'यही कोशिश है कि अपनी टीम के लिए ट्रॉफी जीतूं। अगर मैं टीम के लिए ट्रॉफी जीतूंगा तो मेरी फ्रेंचाइजी को फायदा होगा और मेरा भी परफॉर्मेंस निखरेगा।'

बिहार दिवस पर हाजीपुर में चौकीदारी परेड, एसपी बोले-'ग्रामीण-शहरी इलाकों में पुलिस तंत्र की आधारभूत कड़ी'

हाजीपुर। बिहार दिवस के अवसर पर हाजीपुर के अक्षयवट राय स्टेडियम में चौकीदारी एवं दफादारी परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग उपस्थित रहे। इस परेड में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए चौकीदार और दफादार शामिल हुए। अधिकारियों ने जवानों को स्वच्छ वर्दी पहनने, समय पर उपस्थित रहने और अपने-अपने क्षेत्रों में खुफिया जानकारी जुटाने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्हें आम जनता के साथ समन्वय स्थापित कर सूचना संकलन और अपराध नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने चौकीदार-दफादार व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ये पुलिस तंत्र की आधारभूत कड़ी हैं, जिनकी सक्रियता से अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। बिहार दिवस के उपलक्ष्य में, स्काउट एंड गाइड की टीम ने हाजीपुर शहरी क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली। इस प्रभात फेरी के जरिए नागरिकों को सामाजिक एकता, स्वच्छता और कानून के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन, पुलिस पदाधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शराब तस्करी केस में मंत्री के रिश्तेदार पर आरोप, राजद ने 50 हजार इनामी बताकर तस्वीरें जारी कीं

हाजीपुर। बिहार में शराबबंदी को लेकर राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने पीएचईडी मंत्री संजय सिंह पर शराब तस्कर को उनके रिश्तेदार होने का गंभीर आरोप लगाया है। मंत्री ने आरोप साबित करने की चुनौती दी। राजद ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर दावा किया कि मंत्री के करीबी रिश्तेदार चंदन सिंह वैशाली जिले में शराब तस्करी के एक बड़े मामले में शामिल हैं। पोस्ट के अनुसार, वैशाली के औद्योगिक क्षेत्र से शराब की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद आरोपी का नाम सामने आया है। राजद ने चंदन सिंह को कुख्यात तस्कर बताते हुए कहा कि उस पर पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। राजद ने सोशल मीडिया पोस्ट में कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें आरोपी चंदन सिंह कई मंत्रियों और बड़े नेताओं के साथ नजर आ रहे हैं। पार्टी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब सरकार के मंत्रियों के साथ तस्करों की तस्वीरें सामने आ रही हैं, तो यह भरोसा करना मुश्किल है कि ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई होगी। PHED मंत्री संजय सिंह वैशाली के जंदाहा मे एक कार्यक्रम मे शामिल होने पहुंचे इसी दौरान उन्होंने कहा की "विपक्ष के पास जब कोई मुद्दा नहीं बचता और न ही कोई विकल्प होता है, तो वे सरकार के लोगों पर प्रहार करने के लिए अनर्गल बयानबाजी करते हैं। हमारी सरकार विकास की काम करती है, बिहार के प्रति सोचती है। ऐसे में उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे इस तरह के आरोप लगाते हैं।" उन्होंने तस्वीरों को लेकर सफाई देते हुए कहा, " डेली मैं 200-300 लोगों के बीच फोटो खींचवाता हूं। तब यह पता नहीं चलता कि भीड़ में कौन-कौन है।" मंत्री ने विपक्ष को खुली चुनौती देते हुए कहा, "उन्होंने जो लिखा है, उसे साबित करें ओर मै चुनौती देता हूं। अगर वे साबित नहीं कर पाते हैं, तो मेरे पार्टी के लोग उन पर मानहानि का केस करेंगे और कार्रवाई करेंगे। ऐसे अनर्गल बयान देकर सोशल मीडिया पर माहौल खराब करने वालों को क्षमा मांगनी पड़ेगी।"

बिहार महोत्सव पर कवि सम्मेलन, उपेंद्र कुशवाहा ने किया उद्घाटन, देशभर के कवि हुए शामिल

हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा में युवा भारत विकास संगठन द्वारा बिहार महोत्सव पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और देश भर से आए ख्यातिप्राप्त कवियों की रचनाओं का आनंद लिया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और युवाओं को इससे जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। महोत्सव में पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी (दिल्ली) सहित कई प्रतिष्ठित कवि और साहित्यकार उपस्थित रहे। डॉ. जोगी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तराखंड से आए दियांश दुष्यंत ने मंच संचालन किया, जबकि मध्य प्रदेश से विकास बैरागी, प्रियंका मिश्रा और उत्तर प्रदेश से शिवम सांबरे ने भी अपनी कविताओं से दर्शकों का मन मोह लिया। इस सफल आयोजन की संयोजिका वैशाली की वर्षा ठाकुर थीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री संजय सिंह और मंत्री लखेन्द्र पासवान मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए युवाओं को साहित्य और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। स्थानीय संत मैरी स्कूल की छात्राओं ने अपनी मनमोहक कला प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य और संगीत के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी और बिहार महोत्सव की समृद्ध विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनी।

पटना सिटी में पति ने चाकू से गोद कर की पत्नी की हत्या

बच्चों को कमरे बंदकर चाकू मारा, भाई बोला-मुस्लिम जीजा ने 'सोनू यादव' नाम से आधार बनवाया

एजेंसी, पटना

पटना सिटी में एक पति ने चाकू से गोद कर पत्नी की हत्या कर दी। बताया जाता है कि वारदात से पहले उसने अपने दो बच्चों को कमरे में बंद किया। फिर चाकू से तबाड़तोड़ हमला कर लहूलुहान हालत में पत्नी को छोड़कर फरार हो गया। जबतक परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, उसकी मौत हो गई। पति-पत्नी में ईद पर नए कपड़े और पैसों को लेकर बहस हुई थी। वारदात ईद की रात आलमगंज थाना क्षेत्र में परिवेश मार्केट मोड़ के पास की है। मृतका की पहचान जेबा खातून (24) के तौर पर हुई है। हत्या का आरोप पति मोहम्मद सोनू पर लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। आरोपी पति मौके से फरार है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मृतका के भाई का आरोप है कि उसका जीजा मुस्लिम है, लेकिन हिंदू नाम से आधार कार्ड बनवा रखा है।

परिवार के मुताबिक, मोहम्मद सोनू पहले दिल्ली में काम करता था। वहां से वापस पटना लौटा तो यहां उसने जेबा खातून से निकाह किया। दंपती के दो बच्चे भी हैं। सोनू ऑटो चलाकर गुजर बसर करता था। परिजनों ने बताया कि, शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर पैसों की तंगी के कारण विवाद होते रहते थे। जेबा खातून पति को काम करने कहती थी, लेकिन सोनू कभी ऑटो चलाता तो कभी छोड़ देता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होते रहता था।

बताया जा रहा है कि सोनू की कमाई से घर बमुश्किल ही चल पा रहा था। वहीं ईद की सुबह भी दोनों पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। दरअसल, जेबा ने ईद पर बच्चों और खुद के लिए नए कपड़े बनवाने की जिद की। सोनू के पास पैसे नहीं थे, तो उसने इनकार कर दिया। जिसके बाद दोनों में जोरदार झगड़ा हुआ। लड़ाई के बाद सोनू गुस्से में घर से निकल गया। देर शाम वापस आया, उसके बाद फिर से दोनों में बहस होने लगी। इस दौरान सोनू ने अपना आपा खो दिया और चाकू से 2 बार पत्नी जेबा पर हमला कर दिया। जेबा बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ी।

मृतक के भाई मो साबिर ने बताया, 'बहनोई मो सोनू ने बहन जेबा खातून की हत्या से पहले दो बच्चों पांच साल के बेटे और दो साल की बेटी को कमरे में बंद कर दिया। चाकू से मारकर वो खून से लथपथ जेबा को छोड़ कर फरार हो गया। कुछ देर के बाद जब बच्चे बाहर निकले तब पड़ोस में रहने वाली मौसी को घटना की जानकारी दी। मृतक जेबा चार बहनों में दूसरे नंबर पर थी। मौसी के परिवार के लोग उसे लेकर अस्पताल जाने लगे। लेकिन शरीर से खून अधिक निकल जाने से उसकी मौत हो गई।'

परिवार के अनुसार, सोनू यादव पहले मुस्लिम समुदाय से था और उसका नाम मोहम्मद सोनू था। उसने अपना नाम बदलकर आधार कार्ड में 'सोनू यादव' दर्ज करा लिया था। परिवार ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं। भाई का कहना है कि एक व्यक्ति ने अपना नाम और धार्मिक पहचान बदलकर आधार कार्ड कैसे बनवाया और लंबे समय तक उसी पहचान के साथ कैसे रह रहा। उन्होंने प्रशासन से इस पहलू की भी गहन जांच करने की मांग की है।

चैती छठ, पटना जू की झील में पूजा की तैयारी

एजेंसी, पटना

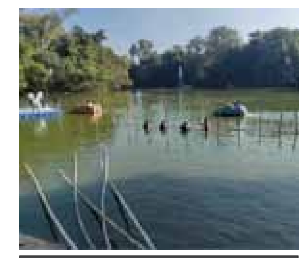

चैती छठ की आज से शुरुआत हो चुकी है। नहाए खाए के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लिया गया है। गंगा घाटों को तैयार किया जा चुका है। वहीं, जो भी छठ व्रती गंगा घाट तक नहीं पहुंच सकेंगी, उनके लिए आसपास के पार्क और तालाब तैयार किए जा रहे हैं। इसके लिए पटना जू की झील को भी तैयार किया जा रहा है। यहां अस्थाई घाट बनाए जा रहे हैं, जिससे छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा करने में आसानी हो सके।

◆ चूना-फिटकरी से पानी कर रहे साफ, पूजा के लिए लोगों को मिलेगी फ्री एंट्री

पानी सफाई के लिए मिलाया जा रहा चूना-फिटकरीः जू प्रशासन के मुताबिक झील के पानी को साफ करने के लिए चूना और फिटकिरी मिलाया जा रहा है। झील में सफाई के बाद गंगा जल डाला जाएगा। बाथरूम की साफ-सफाई की जा रही है। चेंजिंग रूम, बैरिकेडिंग, आदि नगर निगम की तरफ से तैयार किए जाएंगे। जिस साइड पानी का बहाव ज्यादा है और स्थिति खतरनाक होगी, वहां लाल कपड़े से घेरा लगाया जाएगा।

जानवरों की सुरक्षा पर रहेगा पूरा ध्यानः छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार के दोपहर 2 बजे के बाद चिड़ियाघर में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था है। वहीं, बुधवार को सुबह 3 बजे के बाद जू खोल दिया जाएगा। पटना जू में छठ के दौरान मेन फोकस जानवरों की सुरक्षा पर रहेगी। इस बात का खास ख्याल रखा जाएगा की जानवरों को कोई परेशानी न हो। विजिटर्स इधर-उधर न करें इसका भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही चिड़ियाघर परिसर में प्लास्टिक लाने पर रोक रहेगी।

बेतिया समेत 5 जिलों में कुहासा 6 में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले 2 दिनों से अधिकतर जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। कुछ जिलों में ओले भी गिरे हैं। बारिश के बाद समस्तीपुर, मधुबनी, जमुई, गोपालगंज और बेतिया में रविवार सुबह कुहासा है, विजिबिलिटी काफी कम है। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी रविवार को प्रदेश के 6 जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने के साथ साथ तेज हवा चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ जिलों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

शनिवार को करीब सभी जिलों में रुक-रुककर बारिश होती रही। पटना बांका, गोपालगंज, मोतिहारी, बगहा, बेतिया, सीतामढ़ी और खगड़िया में तेज बारिश हुई। वहीं, पटना के कुछ इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। आंधी-बारिश की वजह से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। किसानों के खेत में लगे गेहूं और मक्के की फसल बर्बाद हो गई है। वहीं, आंधी और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

एकतरफा प्यार में आशिक ने महिला को चाकू गोदा मौत, बीच-बचाव करने पर बेटी को मारा चाकू

एजेंसी, पटना

पटना के जक्कनपुर इलाके के बंगाली कॉलोनी में शादीशुदा महिला की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान संतोष कुमार की पत्नी मुन्नी देवी (35 वर्ष) के तौर पर हुई है। इस चाकूबाजी की घटना में मृतका की नाबालिग बेटी भी घायल हो गई है, जिसे हाथ और बाजू में चोट लगा है। फिलहाल, बच्ची का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

12 से अधिक बार किया वार, मुझे भी चाकू मारा- बेटीः मतका की 17 साल की बेटी ने पुलिस को बताया है कि, मैं घर पर मां के साथ मौजूद थी। लगभग 4 बजे के करीब राजा नाम का शख्स आया और चाकू मारना शुरू कर दिया। कम से कम 12 बार से अधिक वार किया। मैं बीच बचाव करने आई तो मुझे भी चाकू मार दिया। मैं शोर मचाने लगी। आस पास के लोग दौड़कर मेरे घर की ओर आने लगे तब तक राजा तेजी से फरार हो गया।'

पड़ोस के लड़कों ने अस्पताल में कराया एडमिटः पड़ोस के लड़के शैलेश कुमार ने बताया कि, 'कॉल करके मुझे पड़ोसी ने बुलाया। उसके बाद हम लोग गोद में उठाकर बाइक से अस्पताल लाये थे। यहां से गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर ने पीएमसीएच रेफर कर दिया।'

❐ हफ्तेभर से कर रहा था परेशान

एक तरफा प्यार में चाकू गोदने की आशंकाः राजा अक्सर मृतका के घर पर आया जाया करता था। पिछले 1 सप्ताह से बच्चों ने उसे घर पर नहीं आने दिया था। यह बात आरोपी को नागवार गुजरी। आज अचानक चाकू लेकर घर पर पहुंच गया और सीधे हमला कर दिया। आशंका है कि एक तरफा प्यार में इस घटना को अंजाम दिया गया है। महिला का पति बाहर रहता है और महिला पास में ही ठेले पर नाश्ते की दुकान चलाती थी।

क्या कहती है पुलिसः एसडीपीओ 2 रंजन कुमार ने बताया कि, 'अभियुक्त की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से रेड की जा रही है।'

'पीएचईडी मंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट'

एजेंसी, पटना

मुकेश रोशन ने बिहार सरकार के PHED मंत्री संजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुकेश रोशन का कहना है कि मंत्री संजय सिंह के खिलाफ छत्तीसगढ़ के एक न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इसके बावजूद वे मंत्री पद पर बने हुए हैं और सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। पटना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि यह संविधान और न्याय व्यवस्था का खुला उल्लंघन है। संजय सिंह महुआ विधानसभा क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के टिकट पर पहली बार विधायक बने हैं। इसके बाद उन्हें बिहार सरकार में PHED मंत्री बनाया गया।

राजीव नगर जमीन अवैध तरीके से जमीन कब्जा कियाः पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि पटना के राजीव नगर इलाके में मंत्री ने फर्जी तरीके से जमीन पर कब्जा किया है। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्य के DGP से की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावा,

हाजीपुर और महुआ में बढ़ते शराब तस्करी के मामलों में मंत्री और सत्ताधारी तंत्र पर संरक्षण देने के आरोप लगाए गए हैं। 50 हजार रुपए के इनामी एक तस्कर को भी मंत्री का समर्थन प्राप्त होने का दावा किया गया है, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शैक्षणिक योग्यता और पहचान पर उठाए सवालः मुकेश रोशन ने मंत्री संजय सिंह की शैक्षणिक योग्यता और पहचान पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मंत्री ने दो

❐ पूर्व एमएलए मुकेश रोशन ने कहा-छत्तीसगढ़ के न्यायालय का आदेश, फिर भी सरकारी सुविधा ले रहे

अलग-अलग जन्म तिथियों का इस्तेमाल किया और नाम में भी बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि नामांकन के दौरान दिए गए एफिडेविट में गलत जानकारी दी गई। साथ ही पिछले तीन महीनों में PHED विभाग द्वारा जारी की गई निविदाओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। उनका कहना है कि निविदा आवंटन में भी अनियमितता की आशंका है।

न्यायालय जाने की चेतावनीः पूर्व विधायक ने साफ कहा कि यदि सरकार इस पूरे मामले में जल्द कार्रवाई नहीं करती है तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। कानून और संविधान की रक्षा के लिए यह कदम जरूरी बताया गया है।

बख्तियारपुर पहुंचेंगे निशांत कुमार गंगा महाआरती में होंगे शामिल

एजेंसी, पटना

बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर स्थित सीढ़ी घाट पर रविवार शाम गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और पूरे इलाके में उत्साह का माहौल है। गंगा आरती को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए स्थानीय प्रशासन और आयोजन समिति सक्रिय है। घाट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है, जिसके मद्देनजर भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था की गई है।

चौक-चौराहे निशांत कुमार के स्वागत पोस्टरों से पटेः बख्तियारपुर के प्रमुख चौक-चौराहे निशांत कुमार के स्वागत पोस्टरों से पटे हुए हैं। स्थानीय लोगों में भी इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। जदयू युवा पटना जिला के सक्रिय कार्यकर्ता राजीव रंजन उर्फ पिंकू कुमार और सत्यानंद याजी उर्फ छोटे याजी ने तैयारियों का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

एसडीपीओ आयुष श्रीवास्तव और थानाध्यक्ष देवानंद शर्मा सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो।

बीच सड़क पर पटना पुलिस की मेडिकल ट्रीटमेंट

एजेंसी, पटना

पटना के मीठापुर बाईपास पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एक कांस्टेबल ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एक CISF जवान की जान बचा ली। मीठापुर बाईपास पर यह घटना हुई, जहां जवान अचानक अचेत होकर सड़क पर गिर पड़ा। अचेत हुए व्यक्ति की पहचान नवादा जिले के रहने वाले कुंदन के रूप में हुई है, जो CISF में कांस्टेबल हैं। बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत पहले से खराब थी और वे अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में वे बेहोश होकर गिर पड़े।

मीठापुर ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात कांस्टेबल अंजनी कुमार गौरव ने बताया कि, एक व्यक्ति चेक पोस्ट से गुजर रहा था। पास में उसकी गाड़ी और परिवार मौजूद था। गाड़ी तक पहुंचने से पहले ही वह अचानक गिर गया। उसके शरीर से ज्यादा पसीना निकल रहा था और हाथ-पैर अकड़ रहे थे। स्थिति को देखते हुए उन्होंने

हार्ट अटैक की आशंका जताई और बिना देर किए CPR देना शुरू कर दिया।

कुछ ही सेकेंड में लौट आई सांसेंः कांस्टेबल के मुताबिक, CPR शुरू करने के करीब 30 सेकेंड के भीतर ही जवान को होश आने लगा। कुछ ही मिनटों में उसकी हालत सामान्य हो गई। मौके पर मौजूद परिजन भी यह देख भावुक हो गए और कांस्टेबल को भगवान का रूप बताकर धन्यवाद दिया।

नहाय-खाय के साथ चैती छठ महापर्व शुरू, व्रती पहुंच रहे घाट, गंगा स्नान कर लिया संकल्प

एजेंसी, पटना

आज से नहाय-खाय के साथ चैती छठ की शुरुआत हो गई है। भरणी नक्षत्र और वैधृति योग में चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो गया है। चैती छठ का व्रत पूर्वांचल व उत्तर भारत के अलावा पूरे देश में संयम व पवित्रता के साथ मनाया जाता है। चैती छठ का पर्व प्रकृति, सूर्य और जल के प्रति आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है। अस्ताचल व उदयमान सूर्य को अर्घ्य की परंपरा इसी वैदिक भावना की अभिव्यक्ति है।

सुबह से व्रती पहुंच रहे घाट, गंगा स्नान कर लिया संकल्पः चैती छठ में नहाए खाए के पहले दिन पूजा अर्चना करने के लिए व्रती गंगा घाट पहुंचे। पूजा के बर्तन को

गंगा की मिट्टी और जल से धोकर शुद्ध किया गया। इसके बाद गंगा स्नान कर भक्तों ने पूजा अर्चना कर व्रत का संकल्प लिया। इस दौरान सुहागन महिलाएं एक दूसरे को पूजा का सिंदूर लगाती हुईं नजर आयीं। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु गंगाजल को लेकर पूजा के लिए घर लेकर जाते भी दिखाई दिए।

सुबह ही गंगा घाट आ गई, अब प्रसाद बनेगा- सुकृति सिंहः छठ व्रती सुकृति सिंह ने कहा कि, 'मैं अपने पूरे परिवार के साथ सुबह 7 बजे ही गंगा घाट आ गई थी। बच्चों को बर्तन में गंगाजल भर के दे दिया है और वह घर लेकर गए हैं। अब प्रसाद बनेगा। छठ में पूरा परिवार मौजूद रहता है। घर में रौनक आ जाती है।' कदम घाट पर गंगा स्नान करने पहुंचे बच्चों ने कहा कि, छठ पूजा में काफी मजा आता है। ये हमारा सबसे पसंदीदा पर्व है। पूजा के बाद ठेकुआ खाने को मिलता है। सब परिवार के लोग एक साथ रहते हैं।'

नहाय-खाय में कद्दू भात का बनेगा प्रसादः पंडित झा राकेश झा ने बताया कि, 'इस महापर्व की शुरुआत में व्रती आज पवित्र गंगा नदी, जलाशय या अपने घरों में गंगाजल मिलाकर स्नान के साथ शुरू होगा। व्रत के प्रसाद के लिए मंगवाये गये गेहूं को गंगाजल में धोकर सुखाया जायेगा। इसे हूं में कोई पक्षी, कीड़ा का स्पर्श नहीं हो इसके लिए खुद और परिवारजन के साथ पारंपरिक लोकगीत गाते हुए इसकी रखवाली करेंगी।

बिहार दिवस पर जिला में भव्य आयोजन, हजारों छात्रों ने लिया भाग

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार दिवस के अवसर पर पूर्वी चंपारण जिले में तीन दिवसीय समारोह (22–24 मार्च) की भव्य शुरुआत हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने जिले के समस्त नागरिकों, प्रबुद्धजनों, किसान भाइयों-बहनों, युवाओं एवं बच्चों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि 22 मार्च 1912 को बिहार का गठन एक अलग राज्य के रूप में हुआ था, जो हमारे गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और ज्ञान की परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मगध की ऐतिहासिक विरासत से लेकर आधुनिक विकास तक बिहार ने एक लंबा और प्रेरणादायक सफर तय किया है। समारोह के पहले दिन सुबह 8:00 बजे स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परीक्षा गृह एवं राजेंद्र भवन, मोतिहारी में रंगोली, मेंहदी, वाद-विवाद, पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में मैथिली, मगही और भोजपुरी लोकगीतों के साथ लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा दी गईं, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्वी चंपारण जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और रसोई गैस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने "जल-जीवन-हरियाली" अभियान को सशक्त बनाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए विशेष पहल किए जाने की जानकारी दी। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार सृजन में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में जिले ने कृषि उत्पादन में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है तथा डिजिटल एवं भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। अंत में जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे बिहार दिवस के तीन दिवसीय कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लें, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करें तथा एक स्वच्छ, शिक्षित और समृद्ध बिहार बनाने का संकल्प लें। इस अवसर पर डीडीसी, डीपीआरओ, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक एवं समग्र शिक्षा), प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मोतिहारी सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारी एवं शिक्षा विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिना बजट खिला 'ज्ञान का बगीचा', रक्सौल के सरकारी स्कूल में बच्चों को मिल रही प्रकृति से सीख

बीएनएम @ रक्सौल। रक्सौल शहर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय, राष्ट्रीय गांधी में शिक्षा का एक अनोखा और प्रेरणादायक प्रयोग देखने को मिल रहा है। यहां बिना किसी सरकारी या निजी वित्तीय सहायता के शिक्षकों ने मिलकर एक छोटा सा किचन गार्डेन तैयार किया है, जो अब बच्चों के लिए 'जीवंत कक्षा' बन चुका है। विद्यालय परिसर में लगाए गए टमाटर और बैंगन के पौधे अब फल देने लगे हैं। बैंगन के पौधों पर लटकते नीले फल और टमाटर के पौधों पर उगते छोटे-छोटे हरे टमाटर बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। हालांकि सीमित जगह और मिट्टी की उर्वरता की कमी के कारण कुछ पौधे पूरी तरह विकसित नहीं हो सके, लेकिन शिक्षकों की मेहनत से अधिकांश पौधे सफलतापूर्वक तैयार हुए हैं। इस किचन गार्डेन के जरिए बच्चों को 'अवलोकन विधि' से पढ़ाया जा रहा है। जो बच्चे अब तक सिर्फ थाली में सब्जियां देखते थे, वे अब उन्हें पौधों पर उगते हुए देख रहे हैं। इससे उनमें न केवल प्रकृति और पर्यावरण के प्रति रुचि बढ़ रही है, बल्कि खेती और जीवनोपयोगी ज्ञान की समझ भी विकसित हो रही है। पूर्व में विद्यालय में लगाए गए आलू के पौधों से निकले छोटे-छोटे आलू बच्चों के लिए नया और रोमांचक अनुभव साबित हुए। अब विद्यालय में लौकी, कद्दू और तरोई जैसी बेल वाली सब्जियों को लगाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि इस 'ज्ञान के बगीचे' को और समृद्ध किया जा सके। प्रधानाध्यापक मुनेश राम ने बताया कि यह पूरी पहल बिना किसी वित्तीय अनुदान के शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य बच्चों को प्रकृति से जोड़ना और उन्हें व्यवहारिक ज्ञान देना है। भविष्य में इस गार्डेन का और विस्तार किया जाएगा।

अरेराज अनुमंडल कार्यालय में बिहार दिवस व विश्व जल दिवस पर भव्य आयोजन

बीएनएम @ अरेराज। अनुमंडल कार्यालय परिसर में बिहार दिवस 2026 एवं विश्व जल दिवस के अवसर पर उल्लास, उत्साह और जागरूकता से परिपूर्ण भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित सहित अन्य गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रमों के माध्यम से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और गौरवशाली इतिहास की झलक प्रस्तुत की गई, जिसने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण एवं जल के महत्व को रेखांकित करते हुए अनुमंडल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी ने अपने संबोधन में जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी से हर बूंद की कीमत समझने और अधिकाधिक वृक्ष लगाने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने बिहार के विकास तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प लिया। यह आयोजन जहां एक ओर सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक बना, वहीं दूसरी ओर समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में भी सफल रहा।

फरार चल रहे तीन अभियुक्तों के घर ढोल-नगाजे के साथ चिपकाया गया इश्तिहार

बीएनएम @ मलाही। न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ मलाही पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। थानाध्यक्ष सुमन भारती के नेतृत्व में पुलिस बल ने विभिन्न कांडों के नामजद तीन अभियुक्तों के घर पर विधिवत इश्तिहार का तामिला कराया। इस कार्रवाई के तहत सबसे पहले सिरनी मलाही निवासी मोगल साह की पुत्री और कांड संख्या 27/26 (धारा 103(1)/3(5)) की प्राथमिकी अभियुक्त डेजी देवी के घर पर नोटिस चस्पा किया गया। इसके साथ ही टीआर नंबर 254/25 के मामले में फरार अभियुक्त साबिर मियां, पिता मुस्लिम मियां और साहिस मियां, पिता बशीर मियां (निवासी सरैया टोला मटिया) के घर पर भी कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए इश्तिहार चिपकाया गया। इसी क्रम में पुलिस ने कांड संख्या 425/20 और टीआर नंबर 254/25 के एक अन्य नामजद अभियुक्त आरिफ हुसैन, पिता काबुली मियां, ग्राम सरैया टोला मटिया के घर पर भी विधिवत इश्तिहार का तामिला कराया। थानाध्यक्ष सुमन भारती ने बताया कि ये सभी अभियुक्त गंभीर मामलों में नामजद होने के बावजूद पुलिस की पकड़ से दूर चल रहे थे और बार-बार बुलाए जाने पर भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ये अभियुक्त निर्धारित समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो माननीय न्यायालय के अगले आदेश पर उनके घरों की कुर्की-जब्ती की जाएगी। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ग्रामीणों को भी सूचित किया कि अपराधियों को शरण देना दंडनीय अपराध है।

पकड़ीदयाल को जिला बनाने की मांग तेज, संघर्ष समिति का गठन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के पताही प्रखंड अंतर्गत रुपनी चौक स्थित कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल परिसर में पकड़ीदयाल को जिला बनाने की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपेंद्र पाण्डेय ने की, जबकि संचालन डॉ. मुकेश कुमार ने किया। बैठक में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में पकड़ीदयाल को जिला का दर्जा देने की मांग उठाई। अध्यक्ष उपेंद्र पाण्डेय ने कहा कि प्रशासनिक सुगमता, भौगोलिक स्थिति और क्षेत्रीय विकास को देखते हुए पकड़ीदयाल को जिला बनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मोतिहारी जिला काफी बड़ा होने के कारण लोगों को जिला मुख्यालय तक पहुंचने में दूरी और समय की समस्या का सामना करना पड़ता है। वक्ताओं ने कहा कि पकड़ीदयाल अनुमंडल चकिया और ढाका के बीच केंद्रीय स्थान पर स्थित है, जिससे यह जिला मुख्यालय के लिए उपयुक्त स्थान बनता है। शुभम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पकड़ीदयाल को हर दृष्टिकोण से जिला बनाया जाना चाहिए, इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्यों में सहूलियत होगी। बैठक में सर्वसम्माति से "जिला संघर्ष समिति" का गठन किया गया। साथ ही पूरे अनुमंडल क्षेत्र में जनजागरण अभियान चलाने, नुक्कड़ सभाएं आयोजित करने और व्यापक स्तर पर समर्थन जुटाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर इंजीनियर संजय सिंह, सुभाष पाण्डेय, पताही प्रमुख धर्मेंद्र कुमार, मुखिया ललन सहनी, राजेश्वर पांडेय, मोद नारायण कुंवर, दिलीप मेहता, जिला परिषद सदस्य श्याम सुंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

ब्रह्मलीन योगीराज देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में 55वां सद्गुरु महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का भव्य आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में चल रहे 55वें सद्गुरु महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीराम कथा के चतुर्थ दिवस पर वृंदावन धाम से पधारे संत देवव्रत जी महाराज ने राम जन्मोत्सव प्रसंग पर भक्तों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सतयुग, त्रेतायुग और द्वापर युग में भगवान ने विभिन्न अवतार लेकर मानव कल्याण का कार्य किया है। भगवान श्रीराम का अवतार भी मानव रूप में आदर्श जीवन और मानवीय गुणों का दर्शन कराने हेतु हुआ। उन्होंने बताया कि 84 लाख योनियों में मनुष्य जीवन सर्वश्रेष्ठ है, जिसमें श्रेष्ठ आचरण द्वारा देवत्व प्राप्त किया जा सकता है, जबकि दुष्कर्मों से अधोगति भी संभव है। इसलिए श्रीराम कथा का श्रवण मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। संत देवव्रत जी ने कहा कि भगवान शंकर के अनुसार जब-जब मानव में राक्षसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती हैं, तब भगवान अवतार लेकर उनका विनाश करते हैं। गीतावली रामायण के संदर्भ में उन्होंने समझाया कि रावण मोह का, कुंभकरण अहंकार का और मेघनाथ काम का प्रतीक हैं। इन विकारों का नाश कर ही मनुष्य अपने भीतर रामत्व को जागृत कर सकता है और जीवन में सुख एवं शांति प्राप्त कर सकता है। उन्होंने अयोध्या धाम के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि राजा दशरथ को जब संतान की प्राप्ति नहीं हुई, तब उन्होंने गुरु वशिष्ठ की शरण ली। इससे यह संदेश मिलता है कि जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है, जो अभावों की पूर्ति का मार्ग दिखाते हैं। कार्यक्रम के दौरान राम जन्मोत्सव की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और बधाई गीतों पर झूमने लगे। व्यास पूजन का कार्य रीता गुप्ता द्वारा तथा राम नाम संकीर्तन एवं पूजन डॉ. टी.पी. सिंह द्वारा संपन्न कराया गया। दीप प्रज्वलन एवं शुभारंभ भारत विकास परिषद की पुतुल सिन्हा, धीरा गुप्ता, गुरुकुल आश्रम की रेनू शर्मा, सरोज गुप्ता एवं संगीता केसरी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समस्त धार्मिक अनुष्ठान आचार्य विवेक कुमार पांडे और सुधीर कुमार पांडे के निर्देशन में संपन्न हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन राम भजन द्वारा किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

सरकारी विद्यालयों के बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का जलवा, बिहार दिवस पर उत्कृष्ट शिक्षक-छात्र सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के राजा बाजार स्थित प्रेक्षागृह में बिहार दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और उपलब्धियों की सराहना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी किसी भी समाज की मजबूत नींव होते हैं। उनकी मेहनत और लगन से ही एक सशक्त और विकसित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने तथा शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम में प्रस्तुत सभी सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां केवल सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा ही प्रस्तुत की गईं। बच्चों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और अनुशासन से दर्शकों का मन मोह लिया। उनके गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों ने यह साबित कर दिया कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी भी किसी से कम नहीं हैं और उन्हें उचित मंच मिलने पर वे अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों से चयनित प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ। समारोह में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे आयोजन को सफल बनाया।

मिठाई दुकान में गांजा बिक्री का खुलासा, 454 ग्राम के साथ आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सूखे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीजधरी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के रामपुर कोडर गांव स्थित एक मिठाई दुकान में छापेमारी कर पुलिस ने गांजा बिक्री का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दुकान से 454 ग्राम गांजा बरामद करते हुए प्राथमिकी अभियुक्त बुधन साह (उम्र करीब 50 वर्ष), पिता मोहर साह, निवासी रामपुर कोडर, थाना बीजधरी, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपनी मिठाई दुकान की आड़ में गांजा बेचने का काम कर रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गणगौर पूजा का समापन, प्रसिद्धि आनंद व बासु सूर्यवंशी की नृत्य प्रस्तुति ने बांधा समां

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। मारवाड़ी समाज का प्रमुख पर्व गणगौर पूजा हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्ति के साथ नेपाल के बीरगंज स्थित घड़ीवरवा पोखरा पर विधिवत संपन्न हो गया। इस अवसर पर महिलाओं ने भगवान शिव एवं माता गौरी की पूजा-अर्चना कर सुख-सौभाग्य और परिवार की समृद्धि की कामना करते हुए गणगौर को भावभीनी विदाई दी। पूरे आयोजन में नवविवाहिताओं, सुहागिन महिलाओं एवं कुँवारी कन्याओं की विशेष भागीदारी रही। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर मंगल गीतों के बीच सिर पर गणगौर धारण कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। समापन अवसर पर लायंस क्लब ऑफ सेस्मी एकेडमी की अध्यक्षा सह समाजसेवी लायन पिया सिंह, लायन प्रसिद्धि आनंद सिंह एवं बासु सूर्यवंशी ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रसिद्धि आनंद सिंह और बासु सूर्यवंशी की राजस्थानी नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया और दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। लायन पिया सिंह ने बताया कि चैत्र बदी एकम से शुरू हुई गणगौर पूजा का समापन चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया को विधिवत पूजन के बाद किया गया। शाम में बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकालकर घड़ीवरवा पोखरा में गणगौर का विसर्जन किया गया। करीब 18 दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के समापन पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह पर्व मुख्य रूप से भगवान शिव और माता गौरी की आराधना का प्रतीक है, जो दांपत्य सुख और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए मनाया जाता है।

उज्जैन लोहियार फायरिंग कांड का खुलासा, ठेकेदार समेत दो आरोपी गिरफ्तार; 9 की पहचान

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि @ राकेश कुमार

मोतिहारी/हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत निवासी हार्डवेयर व्यवसायी कामता मिश्र के घर 19 मार्च 2026 को हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है। मामले में ठेकेदार समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि कुल 9 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। रविवार को हरसिद्धि थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में अरेराज एसडीपीओ रवि कुमार ने बताया कि यह घटना पुराने विवाद को लेकर दहशत फैलाने की साजिश का हिस्सा थी। उन्होंने कहा कि इस कांड का संबंध 30 मार्च 2025 को गायघाट स्थित कामता मिश्र की हार्डवेयर दुकान पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ा है, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उस मामले में चार शूटरों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों घटनाओं की जड़ में पैसों का लेन-देन है। कामता मिश्र द्वारा एक ठेकेदार को सड़क निर्माण से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें लगभग 7 लाख रुपये के जीएसटी को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। इसी विवाद के कारण अपराधियों ने भय का माहौल बनाने और पुराने केस को फिर से उभारने के उद्देश्य से फायरिंग की साजिश रची। एसडीपीओ ने बताया कि इस वारदात को अंजाम देने के लिए सुपारी दी गई थी। मामले में शामिल सुपारी देने वालों में से मोतिहारी हवाई अड्डा निवासी ठेकेदार सुरेंद्र सिंह और कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सिसवा खरार निवासी डब्लू दुबे को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है। डब्लू दुबे कुख्यात अपराधी बबलू दुबे का भाई बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि दोनों घटनाओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

डेटा की हेराफेरी में 200 हेडमास्टरों पर गिरी गाज

सीवान मिड-डे मील में 'डाका'

बीएनएम @ पटना/सीवान। बिहार के सीवान जिले में पीएम पोषण योजना (मिड-डे मील) के क्रियान्वयन में व्यापक अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच के दौरान ई-शिक्षाकोष पोर्टल और प्रधानाध्यापकों द्वारा जमा किए गए डेटा में भारी अंतर (मिसमैच) पाया गया है। इस गंभीर लापरवाही को लेकर जिला शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए करीब 200 प्रधानाध्यापकों और प्रभारी हेडमास्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि कई विद्यालयों ने ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर दर्ज वास्तविक छात्र संख्या की तुलना में 'प्रपत्र क' में अधिक नामांकन दिखाया है। अधिकारियों का मानना है कि छात्र संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का मुख्य उद्देश्य अधिक खाद्यान्न और सरकारी फंड हड़पना था, जो सीधे तौर पर बच्चों के अधिकारों का हनन है। डिजिटल निगरानी के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में विसंगतियां सिस्टम की जवाबदेही पर सवाल खड़ा करती हैं।जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने सभी संबंधित हेडमास्टरों को दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर दोषियों के खिलाफ सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में ऐसी हेराफेरी रोकने के लिए विभाग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि मिड-डे मील का संचालन अब केवल ऑनलाइन डेटा के आधार पर ही सुनिश्चित किया जाए। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को एमआईएस और पोर्टल के आंकड़ों का शत-प्रतिशत मिलान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बेतिया के बापू सभागार में सांस्कृतिक महाकुंभ, वॉकथॉन से शुरू हुआ उत्सव

लोक गीतों और कला प्रदर्शनियों ने जीता सबका दिल

बीएनएम @ बेतिया : पश्चिम चम्पारण जिला प्रशासन द्वारा बिहार दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय भव्य समारोह की शानदार शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ समाहरणालय परिसर से पुलिस लाइन तक आयोजित 'वॉकथॉन' से हुआ, जिसे उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस आयोजन को "उन्नत बिहार-उज्ज्वल बिहार" के संकल्प का जीवंत प्रतीक बताया। इस दौड़ में जिले के अधिकारियों, शिक्षकों, खिलाड़ियों और भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बेतिया के रमना मैदान स्थित बापू सभागार में मुख्य समारोह का उद्घाटन वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन एवं अन्य गणमान्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय गीत से हुई, जिसके बाद स्कूली बच्चों ने लोक नृत्य, कजरी और कव्वाली की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर भोजपुरी लोक चित्रकला कार्यशाला और फोटोग्राफी प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।उत्सव के दौरान क्विज, गणित ओलंपियाड, पेंटिंग और रंगोली जैसी विभिन्न विधाओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला प्रशासन के अनुसार, इस तीन दिवसीय उत्सव का औपचारिक समापन 24 मार्च को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के पुरस्कृत होने के साथ होगा। प्रशासन ने इस सफल आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और विकास के संकल्प को दोहराया है।

कुष्ठ रोग से पीड़ित सजायाफ्ता बंदी ने तोड़ा दम

प्रशासनिक निगरानी में पोस्टमार्टम

बीएनएम @ किशनगंज । बिहार के एक मंडल कारा में सजा काट रहे सजायाफ्ता बंदी कैलाश कामती की शनिवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के मल्हाबारी गांव का निवासी था। जानकारी के अनुसार, कैलाश कामती उत्पाद अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में जेल में सजा काट रहा था।जेल अधीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि बंदी लंबे समय से कुष्ठ रोग से ग्रसित था और उसका

नियमित इलाज सदर अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा था। शनिवार की रात अचानक उसकी तबीयत अधिक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे तत्काल सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर सदर बीडीओ कर्मवीर की निगरानी में शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। फिलहाल, प्रशासन मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रहा है।

रोहिणी आचार्य के नाम से फर्जी अकाउंट्स सक्रिय

साइबर सेल में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने उनके नाम से चल रहे फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने इसे अपनी छवि खराब करने की एक सुनियोजित साजिश करार देते हुए बिहार पुलिस के साइबर सेल में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। रोहिणी का आरोप है कि फेसबुक, इन्स्ताग्राम और X (ट्विटर) पर उनके नाम का सहारा लेकर भ्रामक और अमर्यादित सामग्री फैलाई जा रही है।उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल ब्लू टिक वाला अकाउंट @ RohiniAcharya2 ही उनका आधिकारिक हैंडल है। रोहिणी ने

आशंका जताई है कि इस साजिश के पीछे 'प्रेरित लोग' और असामाजिक तत्व शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने संबंधित खातों के संचालकों की पहचान कर कार्रवाई का भरोसा दिया है। यह मामला ऐसे समय में आया है जब बिहार की राजनीति में लालू परिवार के भीतर मतभेदों की चर्चाएं तेज हैं, जिससे इस डिजिटल विवाद के गहरे राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं।

मक्का की फसल बर्बाद, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर मंडराया संकट-पप्पू यादव

सांसद पप्पू यादव का सरकार पर हमला

बीएनएम @पटना। बिहार में हालिया बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है, जिससे विशेषकर मक्का की खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुँचा है। इस संकट पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हजारों किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है और वे फसल बर्बादी के साथ-साथ कर्ज के बोझ तले दब गए हैं।सांसद ने सरकार से मांग की कि प्रभावित किसानों को तुरंत उचित मुआवजा दिया जाए और उनके कृषि ऋण माफ किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय

रहते राहत नहीं मिली, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी। राजनीतिक प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में शासन व्यवस्था को लेकर भ्रम की स्थिति है और आम जनता असहाय महसूस कर रही है। पप्पू यादव ने नीतीश सरकार और भाजपा गठबंधन पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी गंभीर सवाल उठाए।

गुरहा में शतचंडी महायज्ञ व रामलीला का भव्य शुभारंभ, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। प्रखंड के गंडक तटवर्ती गांव गुरहा स्थित तेतर दुर्गा मंदिर परिसर में नौ दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं रामलीला का भव्य शुभारंभ रविवार को विधि-विधान के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पीपरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ऐश्वर्य मिश्रा, यज्ञ समिति अध्यक्ष रामनिवास पांडे, प्रधान यजमान चंद्रभूषण पाठक तथा सरपंच धनंजय चौबे ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर ऐश्वर्य मिश्रा ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है और समाज में सुख-समृद्धि आती है। विश्व शांति के उद्देश्य से आयोजित इस महायज्ञ में 11 विद्वान पंडितों द्वारा निरंतर वैदिक मंत्रोच्चार किया जा रहा है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। महायज्ञ के साथ आयोजित रामलीला में 'नारद मोह' प्रसंग का मंचन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। कलाकारों ने इस प्रसंग के माध्यम से अहंकार के दुष्परिणाम और भक्ति के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे देखकर दर्शक

भाव-विभोर हो उठे। यज्ञाचार्य पंडित मदन शास्त्री अपने सहयोगी आचार्यों के साथ पूरे अनुष्ठान को विधि-विधान से संपन्न करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां यज्ञ होता है, वहां महामारी, अकाल और प्राकृतिक आपदाओं का भय नहीं रहता है। आयोजन को सफल बनाने में सहायक यजमान परमा भगत, संजय पांडे, के.पी. चौरसिया, उपाध्यक्ष संदीप पांडे, कोषाध्यक्ष रामकिशोर प्रसाद एवं निगरानी अध्यक्ष धनंजय चौबे सहित आयोजन समिति के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हैं। मौके पर जितेंद्र मिश्रा, संदीप मिश्रा, अरविंद शुक्ला, सोनू कुमार, रामशरण महतो, धर्मेंद्र कुमार, पूजा पासवान, पंकज कुमार, जमुना साह, सुरेश महतो, विपिन ठाकुर और केशव पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मंच संचालन 'छोटा सर' ने किया, जबकि रंजन शास्त्री और नवनीत शास्त्री के वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।

बिना सूचना मीटर खोलने पर भड़के ग्रामीण

बीएनएम @ सुपौल

जेई ने भागकर बचाई जान

सुपौल । बिहार के पिपरा थाना अंतर्गत कटैया में बकाया बिजली बिल की वसूली करने गई विद्युत पावर ग्रिड की टीम पर ग्रामीणों ने अचानक हमला कर दिया। यह

घटना पथरा दक्षिण पंचायत के वार्ड संख्या 4 स्थित महादलित टोले की है, जहाँ विभाग की टीम राजस्व वसूली के उद्देश्य से पहुँची थी। आक्रोशित ग्रामीणों ने न केवल टीम के साथ मारपीट की, बल्कि विभाग की एक मोटरसाइकिल और दो कर्मियों को भी बंधक बना लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि वे खेतों में मजदूरी करने गए थे, तभी बिजली विभाग की टीम बिना किसी पूर्व सूचना के घरों से मीटर और तार खोलने लगी। घर लौटने पर जब उन्होंने यह दृश्य देखा, तो आक्रोश फूट पड़ा और विवाद मारपीट में बदल गया। हमले के दौरान कनीय अभियंता (जेई) विकास कुमार किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहे, लेकिन उनके दो साथी और वाहन ग्रामीणों के कब्जे में रह गए।ः घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे और काफी मशक्कत के बाद बंधक बनाए गए कर्मियों और मोटरसाइकिल को मुक्त कराया। जेई विकास कुमार ने इसे असामाजिक तत्वों की करतूत बताया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और विभाग की ओर से लिखित आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार दिवस पर पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में रोशनी से जगमगाया परिसर

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में बिहार दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर को दीपों, मोमबत्तियों और नीली रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाकर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम मनाया गया। इस दौरान पूरा विद्यालय परिसर जगमगा उठा और चारों ओर उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिवार द्वारा बिहार की समृद्ध संस्कृति, इतिहास एवं गौरवगाथा को स्मरण करते हुए की गई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बिहार दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए राज्य के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मोमबत्तियां जलाकर

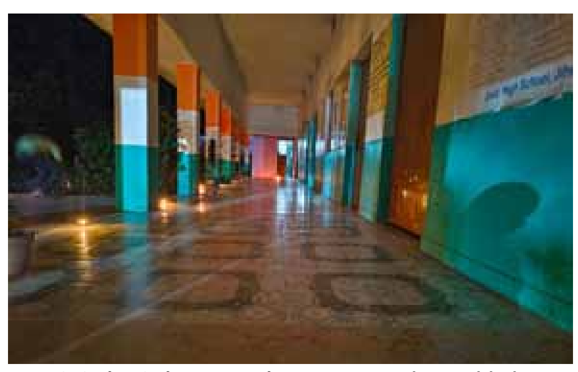

तथा नीली रोशनी के माध्यम से विद्यालय को सजाया। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और उत्साह का विशेष समन्वय देखने को मिला। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार दिवस हमें अपने राज्य की गौरवशाली परंपरा और विकास यात्रा की याद दिलाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़कर समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जानकारी दी कि अगले दिन विद्यालय में पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और सभी के सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बंद कमरे में मिला तीन बच्चों की मां का शव

पुलिस ने दरवाजा तोड़कर निकाला शव, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

बीएनएम @ बगहा

बगहा : पुलिस जिला बगहा के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत इंग्लिशिया गांव में एक 30 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला प्रकाश में आया है। मृतका की पहचान स्थानीय निवासी ओमप्रकाश गिरी की पत्नी सीमा देवी के रूप में की गई है। इस घटना के बाद से पूरे गांव में शोक और चर्चा का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, सीमा देवी के पति ओमप्रकाश गिरी बाहर रहकर मजदूरी करते हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य अलग घर में रहते हैं। मृतका के तीन बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि उनका 11 वर्षीय बड़ा पुत्र अनुप कुमार, जो अपने मौसा के घर नरकटियागंज में रहता था, घटना वाले दिन ही सुबह घर लौटा था और बाद में गांव में खेलने चला गया था।परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, काफी देर तक घर का दरवाजा अंदर से बंद रहने पर जब

बच्चों ने आवाज लगाई और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो संदेह गहरा गया। इसके बाद ग्रामीणों ने मृतका के मायके पक्ष (नाना और मौसा) को सूचित किया। परिजनों के पहुंचने के बाद चौतरवा थाना पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा खुलवाकर शव को बरामद किया।चौतरवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि मृतका अक्सर तनाव में रहती थी, हालांकि मौत के सटीक कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। मृतका का मायका बेतिया के भेड़िहरवा गोखुला में है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी और तदनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकर के संदेश से होगा समतामूलक समाज का निर्माणः पंकज

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा एक प्रखंड के सलहा सामुदायिक भवन में रविवार को 'महाड़ सत्याग्रह शताब्दी वर्ष' के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष सोहन राम, शिक्षक अमित कुमार और अन्य अतिथियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। सभा का मुख्य केंद्र बिंदु भूमिहीनों के अधिकार और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एकजुटता रहा।भूमि अधिकार कार्यकर्ता लाल बाबू राम ने महाड़ सत्याग्रह की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष ही एकमात्र मार्ग है। उन्होंने 1961 के भूमि सुधार कानून को सख्ती से लागू कराने के लिए व्यापक आंदोलन का आह्वान किया। वहीं, लोक संघर्ष समिति के नेता सोहन राम ने 1973-74 से लंबित पड़े सीलिंग मामलों में हो रही देरी पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे भूमिहीनों का अपमान बताया।जेपी सेनानी पंकज ने डॉ. अंबेडकर के जाति-उन्मूलन के संदेश को याद दिलाते हुए कहा कि जब तक जातिवाद और दलित समाज की उपजातियों के बीच की दूरियां खत्म नहीं होंगी, तब तक समतामूलक समाज का निर्माण असंभव है। उन्होंने समाज से दहेज, मृत्युभोज और ओझा-गुनी जैसे अंधविश्वासों को त्यागने की अपील की। इस सभा में बिमला देवी, धीरज कुमार और कमलेश मुसहर सहित भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने भूमि अधिकार हेतु सत्याग्रह का संकल्प लिया।

बंगाल में ममता का कोई विकल्प नहीं : शत्रुघ्न सिन्हा

23 अप्रैल को 152 सीटों पर पहले चरण की वोटिंग

बीएनएम @ कोलकाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही सियासी पारा चढ़ गया है। दिग्गज नेता शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर अटूट भरोसा जताते हुए कहा है कि बंगाल की राजनीति में उनका कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने ममता बनर्जी को जनता की "मां, बहन और बेटी" के रूप में परिभाषित करते हुए इसे राज्य की अस्मिता से जोड़ दिया है। सिन्हा का यह बयान टीएमसी की उस चुनावी रणनीति को मजबूती देता है, जो पूरी तरह भावनात्मक जुड़ाव पर टिकी है।चुनाव आयोग के अनुसार, बंगाल में मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल और दूसरे चरण का 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि टीएमसी विपक्ष के सामने 'ममता फैक्टर' को ही अपना सबसे बड़ा हथियार बना रही है। शत्रुघ्न सिन्हा का समर्थन इस बात का साफ संकेत है कि पार्टी इस बार भी स्थिरता और भरोसे के संदेश के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है।

अरेराज पुलिस ने 50 लीटर देसी शराब के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। बिहार में पूर्ण शराबबंदी को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। जांच के क्रम में पुलिस ने एक वाहन से 50 लीटर देसी शराब बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के कोइरगावा निवासी मिठु कुमार (पिता कामेश्वर मुखिया) और गोविंदगंज थाना क्षेत्र के बिंदवलिया निवासी राजा कुमार (पिता निरंजन मुखिया) के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने बताया कि शराब को जब्त कर लिया गया है और

दोनों आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हे भारत के कंठ हार" से गुंजायमान हुआ विद्यालय

प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में बच्चों ने जाना बिहार का गौरवशाली इतिहास

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बिहार दिवस के गौरवमयी अवसर पर रविवार को मधुबनी प्रखंड स्थित पीएम श्री राजकीयकृत हरदेव प्रसाद उच्च माध्यमिक विद्यालय में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक संतोष कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस दौरान छात्र-छात्राओं ने बिहार का गौरव गान करते हुए सामूहिक रूप से राज्य गीत "हे भारत के कंठ हार, शत-शत नमन तुमको बिहार" का गायन किया, जिससे पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। विद्यालय में पेंटिंग प्रतियोगिता और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। पूर्व प्राचार्य

पंडित भरत उपाध्याय ने बताया कि इस अवसर पर बच्चों के बीच बिहार के वैभवशाली इतिहास और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राघवेंद्र प्रताप, अख्तर हुसैन, प्रभा श्रीवास्तव, नीलम शर्मा, सावित्री कुमारी ,पूजा मद्धेशिया, पलक सिंह, डॉ वरुण तिवारी, देवानंद मिश्रा नीरज त्रिपाठी, विपिन कुमार, सनी सिंह यादव, नितिन कुमार , विपिन बिहारी तिवारी, निसार उल हक अंसारी, प्रशांत सागर गुप्त आदि लोग उपस्थित रहे।

बगहा-2 में रेलवे फाटक बंद करने के फैसले से आक्रोश

कैंडल मार्च निकाल कर जताया कड़ा विरोध

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण (बगहा)

पश्चिम चंपारण (बगहा): गोरखपुर रेल मंडल द्वारा गोरखपुर-नरकटियागंज रेल खंड पर स्थित बगहा-2 में रेलवे फाटक बंद करने के फैसले ने स्थानीय स्तर पर बड़े जनाक्रोश को जन्म दे दिया है। इस निर्णय के विरोध में शनिवार की देर शाम बगहा के व्यवसायियों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर एक शांतिपूर्ण कंडल मार्च निकाला। शहर के स्टेट बैंक चौराहा से शुरू होकर रेलवे स्टेशन तक पहुंचे इस मार्च में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने रेल प्रशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की।प्रदर्शनकारी व्यापारियों का स्पष्ट कहना है कि यदि यह मुख्य रेलवे फाटक बंद होता है, तो उनका वर्षों पुराना व्यवसाय पूरी तरह ठप हो जाएगा। वहीं, स्थानीय अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। लोगों का तर्क है कि फाटक बंद होने की स्थिति में छोटे स्कूली बच्चों को रेलवे

ओवरब्रिज की लगभग 50 फीट ऊँची सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ेंगी, जो न केवल कष्टदायक है बल्कि असुरक्षित भी है।आंदोलनकारियों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि किसी भी सूरत में फाटक बंद करने से पहले अंडरपास या अन्य सुलभ वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया और कोई ठोस वैकल्पिक समाधान नहीं निकाला गया, तो यह शांतिपूर्ण विरोध आने वाले दिनों में एक उग्र आंदोलन का रूप ले लेगा। फिलहाल, रेल प्रशासन की ओर से इस संवेदनशील विषय पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

सपना दूर जाने की आशंका

एआई के कारण नौजवानों के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है। मगर उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से वित्त, प्रबंधन, कंप्यूटर साइंस, गणित, इंजीनियरिंग, विधि और कार्यालय प्रशासन के क्षेत्रों में मौजूद रोजगार पर सबसे अधिक खतरा है। इन क्षेत्रों में एआई के जरिए सबसे पहले उन कार्यों को करना शुरू किया गया है, जिसे सबसे जूनियर कर्मचारी करते हैं। यानी जो नौजवान इन क्षेत्रों में करियर बनाने की उम्मीद लिए बैठे हैं, उनके लिए रास्ता कठिन होता जा रहा है। ये बातें एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है।

इस अध्ययन रिपोर्ट को 'श्रम बाजार पर एआई का प्रभावः नया पैमाना और आरंभिक साक्ष्य' शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। हाई टेक क्षेत्र में बहुत से कार्यों को संपन्न कर देने की क्षमता के कारण एंथ्रोपिक का एआई मॉडल- क्लाउड- हाल में चर्चा में रहा है। हालांकि एंथ्रोपिक का कहना है कि फिलहाल उसका मॉडल पेशेवरकर्मियों के कार्यों का सिर्फ 33 फीसदी हिस्सा ही संपन्न करने में सक्षम हुआ है। इसके बावजूद इसके उपयोग से अनेक क्षेत्रों नौकरियां जाने लगी हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और कस्टमर सर्विस के क्षेत्र हुए हैं। आने वाले समय में मॉडल की क्षमता बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में मानव श्रम के लिए रोजगार के अवसर बेहद सिमट जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक एआई मॉडल्स से कंस्ट्रक्शन, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, पर्सनल केयर आदि क्षेत्रों में रोजगार पर न्यूनतम असर पड़ेगा। मगर भारत जैसे देश के लिए भी ये सीमित राहत की ही बात है। इसलिए कि जिन क्षेत्रों को एआई मॉडल्स प्रभावित करने जा रहे हैं, उनमें बने रोजगार के अवसर ही गुजरे तीन दशकों में भारत में मध्य वर्ग के प्रसार का जरिया रहे हैं। रिपोर्ट में कहा है कि 22 से 25 वर्ष उम्र के जो छात्र अभी पढ़ कर निकले हैं, उनके लिए इन क्षेत्रों में अवसर तेजी से सिकुड़ रहे हैं। यानी नौजवान आबादी के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है, इसका संकेत पिछले साल नीति आयोग की एक रिपोर्ट से मिला था। मगर, उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

भारत के तीनों शहीद दिवस का इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने के लिए समर्पित

कांतिलाल मांडोत

23 मार्च2026शहीद दिवस)

हर साल 23 मार्च को पूरे देश में शहीद दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन वीर सपूतों, स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने के लिए समर्पित है जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शहीद दिवस केवल भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में ही नहीं मनाया जाता, बल्कि उन सभी वीरों के सम्मान में भी इसे मनाया जाता है जिन्होंने अपनी कुर्बानी से देश की स्वतंत्रता की राह को आसान बनाया। यह दिन हमें उनकी वीरता, साहस और बलिदान की याद दिलाता है और देशभक्ति की भावना को हर दिल में जगाता है।

शहीद दिवस का इतिहास भारत के संघर्षपूर्ण स्वतंत्रता संग्राम से गहराई से जुड़ा हुआ है। अंग्रेजों ने लगभग दो सौ वर्षों तक भारत पर शासन किया और देशवासियों के जीवन को नियंत्रित किया। लेकिन जब भारत के सपूतों ने स्वतंत्रता की मांग उठाई, तो उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की आंधी चला दी। यह विद्रोह केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर वर्ग और हर घर से लोग स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। इस दौरान भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई और पूरे देश में क्रांति की ज्वाला फैलाई।

1928 में भगत सिंह और उनके साथियों ने उस ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या कर दी, जो लाला लाजपत राय की लाठीचार्ज के दौरान हुई मृत्यु के लिए जिम्मेदार था। यह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय बनी और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। इसके बाद 1929 में भगत सिंह ने अपने साथी के साथ मिलकर केंद्रीय असेंबली में बम फेंककर "इंकलाब जिंदाबाद" का नारा लगाया। उनका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जनता को जागरूक करना था। कोर्ट में भी उन्होंने अपने विचारों के माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया, जिससे पूरे भारत में उनकी वीरता और साहस की गूंज फैल गई।

23 मार्च 1931 का दिन भारतीय इतिहास में एक अमर गाथा बन गया, जब अंग्रेज सरकार ने लाहौर जेल में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी। उस समय भगत सिंह की उम्र मात्र 23 वर्ष थी, लेकिन उनका साहस और संकल्प किसी भी बड़े नेता से कम नहीं था। उनके बलिदान ने पूरे देश को झकझोर दिया और स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी। यह दिन हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल सामूहिक प्रयास से ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत साहस और समर्पण से भी प्राप्त होती है।

भारत में दूसरा शहीद दिवस 30 जनवरी को मनाया जाता है, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत की स्मृति में समर्पित है। वर्ष 1948 में इसी दिन नई दिल्ली के बिरला भवन में गांधी जी की हत्या कर दी गई थी। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह सिद्ध किया कि बिना हथियार उठाए भी एक बड़ी लड़ाई जीती जा सकती है। उनका जीवन त्याग, सादगी और नैतिकता का प्रतीक था।

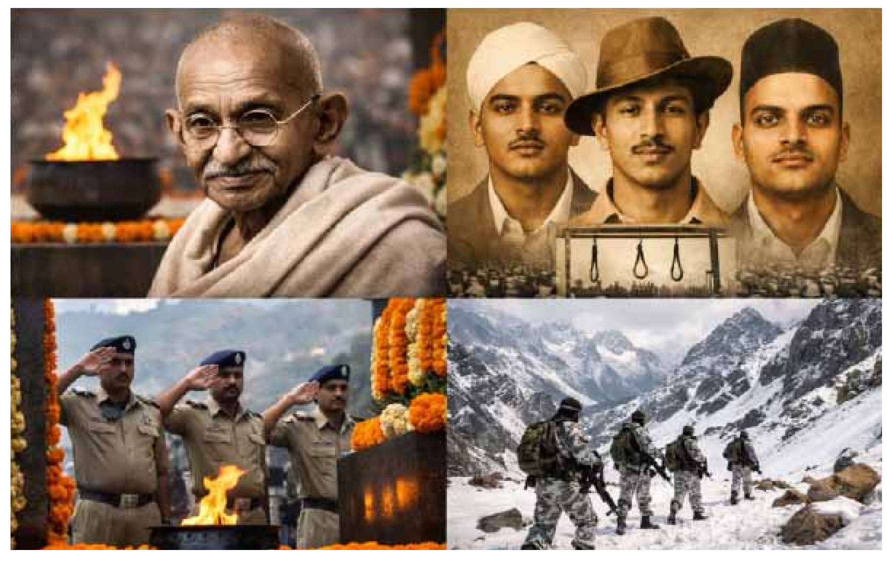

30 जनवरी का महत्व केवल एक महान नेता को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन हमें आत्मचिंतन का अवसर भी प्रदान करता है। इस दिन देशभर में दो मिनट का मौन रखकर गांधी जी को श्रद्धांजलि दी जाती है। यह दिन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और ईमानदारी के सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। गांधी जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता संग्राम के समय थे।

तीसरा शहीद दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसे पुलिस शहीद दिवस के रूप में जाना जाता है। यह दिन उन बहादुर पुलिसकर्मियों को समर्पित है, जिन्होंने देश की सुरक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। वर्ष 1959 में लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना के साथ संघर्ष के दौरान कई भारतीय पुलिस जवान शहीद हो गए थे। उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

21 अक्टूबर का दिन हमें यह याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि देश के भीतर भी निरंतर बनाए रखी जाती है। पुलिसकर्मी दिन-रात अपनी ड्यूटी निभाते हुए समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखते हैं। उनका जीवन भी त्याग और समर्पण का उदाहरण है। यह दिवस हमें उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। इन तीनों शहीद दिवसों का महत्व अलग-अलग होते हुए भी एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। 23 मार्च हमें क्रांतिकारी सोच, साहस और बलिदान की प्रेरणा देता है। 30 जनवरी हमें सत्य, अहिंसा और नैतिकता का मार्ग दिखाता है। वहीं 21 अक्टूबर हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवा भाव का महत्व समझाता है। ये तीनों दिवस मिलकर हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

आज के आधुनिक युग में जब हम अपने जीवन में व्यस्त हो गए हैं, तब इन शहीद दिवसों का महत्व और भी बढ़ जाता है। ये हमें हमारे इतिहास से जोड़ते हैं और यह याद दिलाते हैं कि हमारी आज़ादी के पीछे कितनी कुर्बानियां छिपी हुई हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन महान बलिदानों को न केवल याद रखें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं।

अंत में, शहीद दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारे दिलों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने का एक माध्यम है। यह हमें यह सिखाता है कि देश के लिए किया गया हर छोटा-बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है। जब हम इन वीरों को नमन करते हैं, तो हम अपने कर्तव्यों को भी समझते हैं और एक बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाते हैं। यही शहीद दिवस का सच्चा अर्थ और महत्व है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमर बलिदानी वीर भगत सिंह को शत शत नमन

संजय गोस्वामी

23 मार्च भगत सिंह बलिदान दिवस)

प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।भगत सिंह का जन्म 27 सितंबर, 1907 को लायलपुर ज़िले के बंगा में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका पैतृक गांव खट्कड़ कलां है जो पंजाब, भारत में है। उनके जन्म के समय उनके पिता किशन सिंह, चाचा अजित और स्वरण सिंह जेल में थे।भगत सिंह को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। वो कई क्रन्तिकारी संगठनों के साथ मिले और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया था। जिनकी शिक्षाएँ भारत के लोगों को प्रेरित करती हैं। उनकी जयंती राष्ट्रीय नायक के रूप में मनाई जाती है, जिन्होंने साहस और बलिदान के साथ ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध देश की आज़ादी के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया था। भगत सिंह कौन थे? जन्मः भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। वे एक सिख परिवार से थे जो उपनिवेशवाद विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे, उनके पिता किशन सिंह और चाचा अजीत सिंह प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। प्रारंभिक जीवनः जब वह बारह वर्ष के थे, तब उन्होंने जलियाँवाला बाग में हुए नरसंहार को देखा, जिससे उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल हुई और उन्हें भारत की स्वतंत्रता के लिये लड़ने की प्रेरणा मिली। शिक्षाः उन्होंने लाहौर में लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन को बल मिलने के साथ क्रांतिकारी विचारों के प्रसार हेतु एक मंच प्राप्त हुआ। क्रांतिकारी संगठनः भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य बने, बाद में वर्ष 1928 में इसका नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन कर दिया गया। नौजवान भारत सभा की स्थापना वर्ष 1926 में भगत सिंह ने की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था। प्रमुख कार्यः भगत सिंह पुलिस की बर्बरता के कारण लाला

लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जेपी सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र केस) में शामिल थे। उन्होंने 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में केंद्रीय विधान सभा में बम फेंका। गिरफ्तारी और मुकदमाः वर्ष 1929 में उन्हें बम कांड के लिये गिरफ्तार किया गया साथ ही लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या के आरोप मे उन पर मुकदमा चला, जिसमे उन्हें दोषी ठहराया गया तथा मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई। 23 मार्च, 1931 को साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ लाहौर में उन्हें फाँसी दे दी गई। भगत सिंह को शहीद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है। साहित्यिक योगदानः उनकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में मैं नास्तिक क्यों हूँ, जेल डायरी' और अन्य कृतियाँ, समाजवाद तथा क्रांति का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक घोषणा-पत्र शामिल हैं। अपनी प्रारंभिक रचना विश्व प्रेम में भगत सिंह ने समानता के महत्त्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने भूख और युद्ध से मुक्त एक ऐसे विश्व की परिकल्पना की, जो मानव जाति और राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो। विचारधाराएँः उन्होंने मार्क्सवादी और समाजवादी विचारधाराओं का समर्थन किया, तर्कवाद, समानता और न्याय पर ज़ोर दिया। संगठित धर्म, जिसे मानसिक एवं शारीरिक गुलामी के रूप में देखा जाता था, की आलोचना की। विरासतः भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये प्रत्येक वर्ष उनके जन्मदिन और उनकी फाँसी के दिन को याद किया जाता है। उन्हें एक राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में जाना जाता है। उन्हें 1906 में लागू किये हुए औपनिवेशीकरण विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन करने के जुल्म में जेल में डाल दिया गया था। उनकी माता का नाम विद्यावती था। भगत सिंह का परिवार एक आर्य-समाजी सिख परिवार था। भगत सिंह करतार सिंह सराभा और लाला लाजपत राय से अत्याधिक प्रभावित रहे।

उनके एक चाचा, सरदार अजित सिंह ने भारतीय देशभक्त संघ की स्थापना की थी। उनके एक मित्र सैयद हैदर रजा ने उनका अच्छा समर्थन किया और चिनाब नहर कॉलोनी बिल के खिलाफ किसानों को आयोजित किया। अजित सिंह के खिलाफ 22 मामले दर्ज हो चुके थे जिसके कारण वो ईरान पलायन के लिए मजबूर हो गए। उनके परिवार ग़दर पार्टी के समर्थक थे और इसी कारण से बचपन से ही भगत सिंह के दिल में देश भक्ति की भावना उत्पन्न हो गयी। भगत सिंह ने अपनी 5वीं तक की पढाई गांव में की और उसके बाद उनके पिता किशन सिंह ने दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल, लाहौर में उनका दाखिला करवाया। बहुत ही छोटी उम्र में भगत सिंह, महात्मा गांधी जी के असहयोग आन्दोलन से जुड़ गए और बहुत ही बहादुरी से उन्होंने ब्रिटिश सेना को ललकारा।जलियांवाला कांड ने डाला भगत के बाल मन पर प्रभाव डाला.13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड ने भगत सिंह के बाल मन पर बड़ा गहरा प्रभाव डाला। उनका मन इस अमानवीय कृत्य को देख देश को स्वतंत्र करवाने की सोचने लगा। भगत सिंह ने चंद्रशेखर आज़ाद के साथ मिलकर क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। लाहौर षड़यंत्र मामले में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी की सज़ा सुनाई गई और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास दिया गया। भगत सिंह को 23 मार्च, 1931 की शाम सात बजे सुखदेव और राजगुरू के साथ फांसी पर लटका दिया गया। तीनों ने हंसते-हँसते देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दियाभगत सिंह जी की मृत्यु 23 वर्ष की आयु में हुई जब उन्हें ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर चढ़ा दिया।ऐसे वीर शहीद को शत शत नमन!

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहेगा। आज दिन भर शारीरिक रूप से चुस्त बने रहेंगे। कार्य क्षेत्र पर आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक मान-सम्मान मिलेगा। किसी स्वजन के सहयोग से कर्ज से मुक्ति मिलेगी। विरोधी आज शांत रहेंगे। परिजनों के साथ धार्मिक यात्रा के योग है। संतान से सुख-सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः आपका आज का दिन अशुभ फलदायी रहेगा आज प्रातः काल में किसी परिजन से तकरार होने के कारण दिन भर मन खिन्न रहेगा। आलस्य एवं शिथिलता के कारण कार्य के प्रति उत्साह नहीं रहेगा। किसी अरिष्ट की चिंता सताएगी। शेयर सट्टे में भारी हानि के योग है अनुभवी की सलाह लेकर ही निवेश करें। उधारी वाले व्यवहार परेशान करेंगे। संध्या के समय स्थिति में सुधार आने से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहेगा। आज प्रत्येक क्षेत्र में विरोधी परास्त होंगे। सामाजिक मान-सम्मान बढेगा। व्यापार विस्तार अथवा नए कार्य का आरंभ समय अनुकूल रहने पर भी आज ना करें। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी परिचित से लंबे समय बाद भेंट से हर्ष एवं लाभ होगा। स्त्री एवं संतान के ऊपर खर्च करेंगे दाम्पत्य का पूर्ण सुख मिलेगा।

कर्क राशि : आपका आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय नौकरी में मनचाही उन्नति मिलने से दिन भर प्रसन्न रहेंगे। आज आपके विचारो से सभी प्रभावित रहेंगे। दलाली के व्यवसाय में निवेश से विशेष लाभ की सम्भवना है। आपके सभी कार्य सहजता से पूर्ण होंगे जिससे उत्साह बढ़ेगा। परिजनों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते है।

सिंह राशिः आपका आज के दिन का अधिकांश समय आराम से व्यतीत होगा। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यो में योगदान देने से यश एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। स्वाभाव मे कुछ जल्दबाजी रहेगी फिर भी अपने पराक्रम से बिगड़े कार्यो को बना लेंगे प्रतिस्पर्धी नतमस्तक होंगे। धन लाभ संतोषजनक रहेगा। जायदाद एवं कानूनी कार्यो को जल्दबाजी में ना करे नुक्सान उठाना पड़ सकता है।

कन्या राशिः आपका आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन आज सेहत की अनदेखी करना आगे के लिये भारी पड़ सकता है। पेट सम्बंधित समस्या बड़ा रूप ना ले इसका ध्यान रखे। कार्य क्षेत्र पर अधिकांश समय आलस्य में बीतेगा। पहले से व्यवस्था ना बनाने का नुकसान भी उठाना पड़ेगा।आज व्यवसाय में निवेश एवं जोखिम के कार्य हाथ में लेना हानिकर रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल बीतेगा। प्रातः काल से ही हर परिस्थिति पर आपकी पकड़ रहेगी। बड़ो के मार्गदर्शन से व्यवसाय एवं पैतृक सम्बंधित लगभग सभी समस्याओं का समाधान होने से आय के नविन स्त्रोत्र बनेंगे। सरकारी कार्य भी थोड़े परिश्रम के बाद बन जाएंगे। पुराने अटके धन की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशिः आज के दिन क्रोध अथवा अहम् की भावना बने बनाये कार्यो पर पानी फेर सकती है इसलिए ख़ास कर व्यावसायिक एव सामाजिक क्षेत्र पर विवेक पूर्ण व्यवहार रखे। कार्यो में प्रारंभिक विलम्ब या असफलता से घबराए नही प्रयास जारी रखें सफलता अवश्य मिलेगी। आज स्त्री पक्ष से झगड़ा होने की संभावना है परन्तु काम के समय यही साथ देगी इस बात को ध्यान में रखकर चलें।

धनु राशिःआपका आज का दिन सामान्यतः शुभ ही रहेगा। सेहत छोटी मोटी तकलीफों को छोड़ अनुकूल बनी रहेगी। अधिकारियो के आपके प्रति विश्वास एवं लक्ष्य के प्रति दृढ इच्छाशक्ति से कार्य करने पर मनचाही सफलता मिल सकती है। कार्य क्षेत्र पर सहयोगियों से किसी कारण मतभेद भी रहेंगे। किसी अप्रत्याशित सुख मिलने से परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा।

मकर राशिः आज के दिन आप ज्यादा मेहनत करने के पक्ष में नहीं रहेंगे परन्तु पुराने कार्यो अथवा कार्य क्षेत्र पर व्यवस्था बनाने में काफी परिश्रम करना पड़ेगा। मन में यात्रा के विचार दुविधा में डालेंगे। कार्य क्षेत्र पर किसी की लापरवाही के कारण नोंकझोंक हो सकती है। धन के अपव्यय करने से बाद में परेशानी उठानी पड़ेगी। लोग आज स्वार्थ सिद्धि के कारण आपकी गलतियों को भी नजर अंदाज करेंगे।

कुंभ राशिः आपका आज का दिन शुभ रहेगा। आज कार्य क्षेत्र पर अनुकूल वातावरण मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। सहकर्मियों एवं अधिकारियो का अपेक्षित व्यवहार मिलने से आशानुकूल लाभ अर्जित करेंगे। पुरानी देनदारी से परेशानी भी हो सकती है। विरोधीयो का षड्यंत्र असफल होगा।

मीन राशिः आज के दिन आपको प्रारब्ध अनुसार जितना मिले उसी में संतोष कर लेंगे। परन्तु फिर भी अंदरूनी तौर पर मन में कुछ ना कुछ कमी बनी रहेगी। कुंवारे जातको को योग्य जीवन साथी मिलने की सम्भवना रहेगी। परिजनों के साथ खरीददारी करेंगे। दैनिक रोजगार में आज अल्प लाभ से संतोष करना पड़ेगा।

तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

बिनोद कुमार सिंह

- डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है।

विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद

किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से 'डिजिटल चोक-पॉइंट' बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि "ईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगा" जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महेन्द्र सिंह धोनी बोले आईपीएल में हैरान कर सकता है युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर की जमकर प्रशंसा की है। प्रशांत को सीएसके ने आईपीएल नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी का एक वीडियो सीएसके ने जारी किया है। इस वीडियो में धोनी युवा ऑलराउंडर प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहते हैं ये ऑलरांउडर लीग में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर सकता है। धोनी कभी कभार ही किसी खिलाड़ी की तारीफ करते हैं, इसलिए उनकी बात को काफी महत्व दिया जाता है। अभ्यास सत्र में जब प्रशांत वीर बल्लेबाजी कर रहे थे तब विकेट के पीछे से धोनी उनपर नजर रखे थे। वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने तुरंत तारीफ करते दिखे। इसके बाद वीर ने एक शानदार स्कूप शॉट खेला, जिस पर भी धोनी ने बाउंड्री होने का इशारा किया। इसके बाद प्रशांत ने सीधा स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिसे देखने के बाद धोनी ने उनकी जमकर सराहना की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। प्रशंसकों ने भी इस युवा खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के खेमें में भी इससे उत्साह छाया हुआ है। प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के युवा ऑलराउंडर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज हैं। वह आमतौर पर निचले मुध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। घरेलू क्रिकेट में अ अच्छे प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उन्हें अवसर मिला है। मिनी ऑक्शन में वह 14.20 करोड़ में बिके थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में आ गये थे। प्राशांत ने अंडर-23 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 376 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 94 और स्ट्राइक रेट 128.76 रहा।

जब मजाकिया अंदाज में बोले वैभव, दो-तीन हजार रन बनाना चाहता हूं

एजेंसी, जयपुर

राजस्तान रॉयल्यस के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक कार्यक्रम में अपनी हाजिर जवाबी से सभी को हंसा दिया। वैभव यहां राजस्थान रॉयल्स के एक कार्यकम में शामिल हुए थे। इस दौरान वहां अन्य क्रिकेटर और टीम के प्रशंसा भी उपस्थित थे। इसी दौरान जब एक मीडियाकर्मी ने वैभव से पूछा कि वह इस बार आईपीएल में कितने रन बनाना चाहते हैं तो वैभव ने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि ऐसा सवाल मत पूछो नहीं तो मैं कह दूंगा कि मुझे दो तीन हजार रन बनाने हैं। इसपर सभी हंस पड़े। इसके बाद वैभव ने कहा कि कहा कि वह व्यक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि टीम के लिए खेलने पर भरोसा करते हैं। उनका लक्ष्य केवल बेहतर प्रदर्शन करना और टीम को जीत दिलाना रहेगा। वैभव ने कहा कि ये पहले से नहीं बताया जा सकता है कि कितने रन बनाये जा सकते हैं। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देंगे और टीम के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य टीम को जीत दिलाना है न कि अपना रिकार्ड बनाना। इस बल्लेबाज ने पिछल बार आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। तब सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर सभी को हैरान किया था। इसके अलावा अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार टीम में बदलाव के बाद वैभव को शीर्ष क्रम में अधिक अवसर मिल सकते हैं और संजू सैमसन के नहीं होने के कारण उन्हें पारी की शुरुआत का भी अवसर मिल सकता है।

केकेआर के तेज गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं। इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे। केकोर का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है।

आईपीएल में 339 रन बनाते ही 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बना जायंगे विराट

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसा रिकार्र अपने नाम करने जा रहे है जहां तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। इस सत्र में विराट कोहली 339 रन बनते ही आईपीएल लीग में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन जायेंगे। दो बार ऑरेंज कैप विजेता विराट कोहली के लिए ये मुश्किल भी नहीं है। वह हमेशा ही आईपीएल में 500 से अधिक रन बनाते आये हैं। ऐसे में वह इस बार लीग के इतिहास में 9000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सत्र में औसत 53 से ऊपर रहा है विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे।

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

एजेंसी, मोहाली

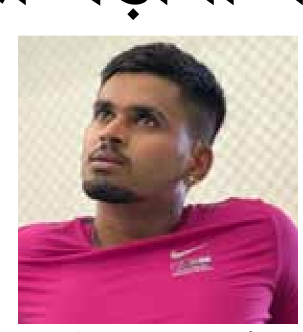

पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, " चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया।"

इस बल्लेबाज ने कहा, " 7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं।"श्रेयस को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लगी थी। अय्यर ने इस साल की शुरुआत में वापसी की थी, इससे उन्हें आईपीएल की तैयारी करने का अवसर मिल गया।

बिजनेस

मार्च में सेलर की भूमिका में बने रहे विदेशी निवेशक, तीन सप्ताह में बेचे 88,180 करोड़ के शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं। मार्च में अभी तक विदेशी निवेशक बिकवाली कर भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये यानी लगभग 9.60 अरब डॉलर की निकासी कर चुके हैं। मार्च के तीसरे सप्ताह तक हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला कर साल 2026 में विदेशी निवेशक अभी तक घरेलू शेयर बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। इससे पहले फरवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी, जबकि जनवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस तरह विदेशी निवेशक जनवरी 2026 से लेकर मार्च 2025 की तीसरे सप्ताह के अंत यानी 20 मार्च 2025 तक भारतीय शेयर बाजार से कुल 1,01,527 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार के हर कारोबारी सत्र में बिकवाल की भूमिका निभाते रहे। राहत की बात यही रही कि विदेशी निवेशकों ने जहां लगातार बिकवाली का दबाव बनाया, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) बाजार को सहारा देने की कोशिश में लगातार खरीददारी करते रहे। मार्च में पहले तीन सप्ताह के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशक अभी तक शेयर बाजार में कुल 1,01,168.60 करोड़ रुपये की खरीदारी कर चुके हैं। घरेलू निवेशकों की ओर से लगातार की जा रही आक्रामक खरीदारी के कारण वैश्विक स्तर पर निगेटिव सेंटीमेंट्स होने के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में अधिक गिरावट नहीं आई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में जमकर की जा रही बिकवाली की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी जंग को माना जा सकता है। इस जंग के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल होने की आशंका बन गई है। इसी तरह हॉर्मुज स्ट्रेट के रास्ते मालवाहक जहाजों की आवाजाही ठप हो जाने की वजह से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है। इसी तरह डॉलर इंडेक्स में आई तेजी के कारण रुपये ऐतिहासिक गिरावट का शिकार हो गया है। वहीं, अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ती यील्ड के कारण डॉलर बेस्ड असेट्स के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ गया है। इस वजह से भी विदेशी निवेशक भारत जैसे देशों के बाजार से पैसा निकालने में जुटे हुए हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक बाजार में लगातार बढ़ रही कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण भारत के आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। इस वजह से भी विदेशी निवेशक फिलहाल भारतीय बाजार से अपना पैसा सुरक्षित निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.02 लाख करोड़ की गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल पांच कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि पांच कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से पांच के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.02 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ, जबकि नुकसान उठाने के मामले में हिंदुस्तान यूनिलीवर दूसरे स्थान पर रहा। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल कंपनियों में शेष बची पांच कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 86 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि भारती एयरटेल मुनाफा कमाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में 1,02,771.87 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।

दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इंफोसिस के मार्केट कैप में 86,210.97 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 16 मार्च से 20 मार्च के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 56,124.48 करोड़ रुपये गिर कर 12,01,267.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 18,009.62 करोड़ रुपये घट कर 4,89,631.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,338.42 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,16,715.12 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 7,127.63 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,64,940 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,171.72 करोड़ रुपये कम होकर 8,91,673.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 45,942.75 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,14,235.92 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 24,462.03 करोड़ रुपये उछल कर 10,52,893.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 10,707.52 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 9,76,968.57 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 2,624.88 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 4,91,610.45 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 2,473.79 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 5,08,789.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,14,235.92 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

साप्ताहिक समीक्षा- जोरदार उतार -चढ़ाव के बीच मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में घरेलू शेयर बाजार जोरदार उतार-चढ़ाव का गवाह बना। इस सप्ताह के पांच कारोबारी दिन में से चार दिन खरीदारी का जोर बना रहा, वहीं सिर्फ एक कारोबारी दिन बिकवाली की आंधी ने बाजार को पूरी तरह से झकझोर दिया। सिर्फ इस एक दिन की बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक साप्ताहिक आधार पर मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार से लेकर बुधवार तक घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ कारोबार करता रहा। इन तीन दिनों में सेंसेक्स 2,140.21 अंक उछल गया, वहीं निफ्टी 626.70 अंक की छलांग लगाने में सफल रहा। इसके बाद गुरुवार को चौतरफा बिकवाली शुरू हो जाने पर सेंसेक्स एक ही दिन में 2,496.89 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 775.65 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन एक बार फिर बाजार में तेजी का रुख बना, लेकिन दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सीमित बढ़त के साथ बंद हुए। इस उतार-चढ़ाव की वजह से पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 30.96 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,532.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 36.60 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,114.50 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, आईडीबीआई बैंक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, मैनकाइंड फार्मा, लोढ़ा डेवलपर्स, हिंदुस्तान जिंक और श्रीराम फाइनेंस के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, वारी एनर्जीज, लेंसकार्ट सॉल्यूशंस, मीशो, टीवीएस मोटर कंपनी और एटरनल के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

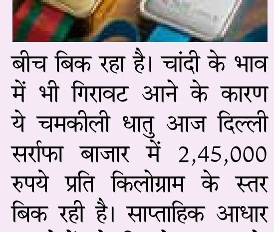

घरेलू सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख लगातार जारी है। आज रविवार के कारोबार में हाजिर सोना 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी के भाव में आज 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,970 रुपये से लेकर 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,33,800 रुपये से लेकर 1,33,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में बड़ी कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 13,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है।

अगले सप्ताह खुलेंगे सात नए आईपीओ, चार कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

कल सोमवार यानी 23 मार्च से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सात कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से तीन कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इन नई लॉन्चिंग के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह 24 मार्च तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह चार कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 मार्च को टिपको इंजीनियरिंग का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 25 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद एक अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 24 मार्च को साई पैरेंटेरल्स का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 372 रुपये से लेकर 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन अमीर चंद जगदीश कुमार का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 201 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 70 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

यंग जनरेशन की फेवरेट सिंगर ध्वनि भानुशाली ने छुए दिल के तार, गाना सुन रोने पर मजबूर हो गए थे लोग

70 से लेकर 80 के दशक के पुराने गाने आज भी लोगों के दिनों में जगह बनाए हुए हैं, क्योंकि गानों के बोल से लेकर संगीत तक सब कुछ भावनाओं से जुड़ा होता था और कुछ भी बनावटी नहीं लगता। आज के दौर में ऐसे सिंगर्स का मिल पाना बहुत मुश्किल है। नए और यंग सिंगर्स के गानों के लिरिक्स और म्यूजिक अच्छे होते हैं, लेकिन सदाबहार नहीं, लेकिन हमारी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक हिडन जेम छिपा है, जिसने अपने गानों से लोगों को रुला दिया था। हम बात कर रहे हैं ध्वनि भानुशाली की। 22 मार्च 1998 को मुंबई में ही जन्मीं ध्वनि भानुशाली को नहीं पता था कि उन्हें लोगों का इतना प्यार मिलेगा। उन्होंने एक्टिंग का भी दो साल का प्रशिक्षण लिया, लेकिन अपने पहले प्यार गायिकी को ही अपना साथी चुना। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2018 में फिल्म वेलकम टू न्यूयॉर्क के गाने इश्तेहार से की थी। इसके बाद उन्होंने कई हिट गाने गाए, जिन्होंने उन्हें पहचान बनाई। उनके गानों को यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज मिलते हैं। आज के समय में वो

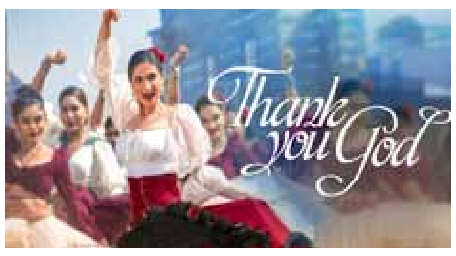

यंगस्टर्स की सबसे फेवरेट सिंगर बन चुकी हैं। ध्वनि भानुशाली का वास्ते गाना याद होगा, जिसे आज से छह साल पहले रिलीज किया गया था। यह गाना सिंगर के दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इस गाने ने ही उनके करियर को नया मोड़ दिया। यह गाना इतना ज्यादा वायरल हुआ कि आज इसके व्यूज 1.7 बिलियन पहुंच चुके हैं। इस गाने को सुनकर यंग जनरेशन रोने लगी थी। अभिनेत्री ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि गाने को रिलीज के साथ ही बहुत प्यार मिला था और जब गाना बजता था तो लोग रोने लगते थे। मुझे खुशी होती थी कि लोग मेरे द्वारा गाए गानों से कनेक्शन फील कर पा रहे हैं। इसी गाने में ध्वनि ने एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता के साथ काम किया था और वो रातो-रात मोस्ट हैंडसम मैन बनकर उभरे थे। ध्वनि भानुशाली ने बहुत छोटी उम्र से ही सिंगिंग शुरू कर दी थी और 20 साल की उम्र में सुपरहिट गाना लेजा-लेजा गाया था। इस गाने को शूट करते वक्त अभिनेत्री को अहसास नहीं था कि गाना इतना बड़ा हिट बनेगा। सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए सिंगर के लिए एक्टिंग के ऑफर्स भी आ रहे हैं, लेकिन वे सिंगिंग को अपना पहला प्यार मानती हैं और एक साथ दो नावों पर सवार नहीं होना चाहतीं।

अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म की रिलीज डेट बदली, अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी?

फिल्म धुरंधर 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो गया। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की डकैत भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में धुरंधर 2 और डकैत की भिड़ंत नहीं होगी। डकैत के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब डकैत कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैत के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे। फिल्म डकैत से पहले यश अभिनीत टॉक्सिक की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले टॉक्सिक भी धुरंधर 2 के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, टॉक्सिक अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत धुरंधर 2 से टॉक्सिक और डकैत के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट टली?

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 2 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण फिल्म की रिलीज स्थगित हो सकती है। जानें कब रिलीज होगी फिल्म? मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 की आधिकारिक रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई है। मोहनलाल ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की रिलीज टल सकती है। अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चर्चा है कि यह मई या जून 2026 में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज टलने की मुख्य वजह मध्य पूर्व में चल रहा तनाव और संघर्ष है। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच की स्थिति के कारण वहां सिनेमाघरों में फिल्म चलाना मुश्किल हो रहा है। खाड़ी क्षेत्र मलयालम फिल्मों का बहुत बड़ा बाजार है, जहां कई बार फिल्में केरल से ज्यादा कमाई करती हैं। इसी वजह से कुछ बाकी बड़ी फिल्में जैसे यश की टॉक्सिक भी टल चुकी हैं। इसलिए दृश्यम 3 को भी टालने की बात हो रही है। दृश्यम 3 दरअसल दृश्यम सीरीज की तीसरी और आखिरी फिल्म है। मोहनलाल जॉर्जकुट्टी के किरदार में वापसी करेंगे। यह कहानी एक साधारण परिवार वाले व्यक्ति की है, जो पहले वाली घटनाओं के बाद नए मुश्किलों में फंसता है। कहानी पिछली फिल्म से साढ़े चार साल बाद की है। दृश्यम 3 का निर्देशन जीतू जोसफ कर रहे हैं। इस फिल्म में मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, मुरली गोपी, सिद्दीकी आदि वापस लौटे हैं। इसकी शूटिंग सितंबर 2025 से दिसंबर 2025 तक चली।

'धुरंधर 2 की सुनामी, फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा किया पार, वर्ल्डवाइड कमाई में मारी बाजी

अनजर और सब्र के साथ, रणवीर सिंह सबसे बड़े भारतीय स्टार बन गए है. 'धुरंधर 2 ने 'धुरंधर की इस लाइन को सच साबित कर दिया है, किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है, कि वो वक्त आने पर बदलती है. धुरंधर द रिवेंज पहले ही एक ब्लॉकबस्टर बन चुकी है, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और नए बेंच मार्क सेट किए हैं. फिल्म का इतना बज बना हुआ है कि पेड प्रीव्यू शोज के बाद जहां इसने ऐतिहासिक ओपनिंग की तो वहीं दूसरे दिन भी इसने बॉक्स ऑफिस लूट लिया और कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए. चलिए यहां जानते हैं धुरंधरः द रिवेंज ने रिलीज के दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है?

रणवीर सिंह और आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर धुरंधर 2 सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ रही है, बल्कि यह अपने लीड एक्टर के करियर ग्राफ को भी फिर से लिख रही है. जहां ज्यादातर फिल्में अपने पूरे रन में 100 करोड़ का आंकड़ा छूने के लिए संघर्ष करती हैं, वहीं धुरंधर 2 ने सिफ़र् 48 घंटों में ही रणवीर सिंह के करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है. इस फिल्म ने वो कर दिखाया है तो बड़े-बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में नहीं कर पाई हैं. इस फ़िल्म का नेट कलेक्शन 200 करोड़ के पार पहुंच गया है.
फिल्म की कमाई की बात करें तो धुरंधर 2 ने पेड प्रीव्यू शो से 43 करोड़ रुपये बटोरे थे. इसके बाद इसने पहले दिन 102.55 करोड़ का कलेक्शन किया. वही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के दूसरे दिन धुरंधर 2 ने 80.72 करोड़ कमाए हैं. जिसमें हिंदी में इसने 78.94 करोड़ का सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है. इसके बाद इसने कन्नड़ में 0.03 करोड़, मलयालम में 0.01 करोड़, तमिल में 0.44 करोड़, तेलुगु में 1.30 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की पेड प्रीव्यू शो के कलेक्शन को मिलाकर कुल कमाई 226.27 करोड़ रुपये हो गई है.
दो दिनों में, धुरंधरः द रिवेंज ने वर्ल्डवाइड 370 करोड़ की कमाई की है. यह हाल ही में रिलीज़ हुई कई पैन-इंडिया फ़िल्मों की कुल कमाई (लाइफ़टाइम कलेक्शन) से भी ज़्यादा है. इसी के साथ इसने प्रभास की आदिपुरुष (350 करोड़) और ऋतिक रोशन व जूनियर एनटीआर की वॉर 2 (338 करोड़) के वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे दी है.
रणवीर सिंह के अलावा, धुरंधर 2 में आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी वापसी कर रहे हैं. आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह स्पाई थ्रिलर फ़िल्म 19 मार्च को रिलीज़ हुई थी. धुरंधर के पहले भाग ने दुनिया भर में 1300 करोड़ की कमाई की थी.

ओ रोमियो की ओटीटी रिलीज तय, 27 मार्च से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी शाहिद कपूर की फिल्म

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसकी डिजिटल स्ट्रीमिंग का इंतजार अब खत्म होने वाला है, क्योंकि यह ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। यह क्राइम-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है, जबकि निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। हालांकि, ओटीटी पर इसे देखने के लिए दर्शकों को अपनी जेब को ढीला करना पड़ेगा। यहां जानिए कि शाहिद की यह फिल्म कब और कहां दस्तक देगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ओ रोमियो को 27 मार्च, 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। दर्शक इसे पे-पर-व्यू के जरिए देख सकते हैं। मतलब यह कि फिल्म को रेंट पर लेकर देखा जा सकेगा। वहीं, सभी प्राइम सब्सक्राइबर्स के लिए इसे अप्रैल के दूसरे हफ्ते में व्यापक स्तर पर मौजूद कराया जा सकता है। शाहिद अभिनीत ओ रोमियो के डिजिटल अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो के पास हैं, इसलिए आने वाले समय में फिल्म इसी प्लेटफॉर्म पर आएगी। ओ रोमियो एक खूंखार गैंगस्टर उस्तरा की कहानी है, जिसका किरदार शाहिद ने निभाया है। उस्तरा की अपराधिक जिंदगी तब बदल जाती है, जब उसे एक लड़की से प्यार हो जाता है। इसके बाद उसकी कमजोरियां दुनिया के सामने आने लगती हैं। कहानी में अपराध, प्यार और इमोशंस का एक रोमांचक मिश्रण मौजूद है। फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, वहीदा जलाल, तमन्ना भाटिया और हुसैन दलाल जैसे सितारे अहम किरदारों में शामिल हैं।

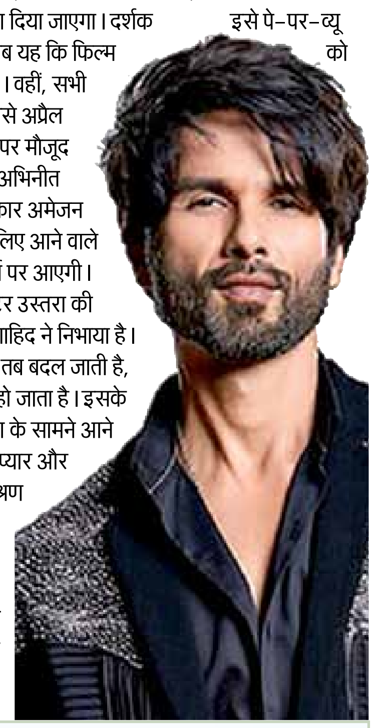

मुझे केरला स्टोरी-2 का हिस्सा होने पर गर्व है : उल्का गुप्ता

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म केरला स्टोरी-2 को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।

27 फरवरी 2026 को फिल्म केरल स्टोरी 2 रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीजों ने उनकी आंखें खोल दी हैं। इस प्रोजेक्ट से अपने इमोशनल कनेक्शन को शेयर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे केरला स्टोरी 2 का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। फिल्म साइन करने के बारे में उन्होंने बताया, मुझे इस रोल के लिए बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने सिर्फ अपने लक्ष्य पर फोकस किया, जो मेरा किरदार था। मैंने पूरी तरह एक्टिंग पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, मैं नतीजों के बारे में नहीं सोचती। अगर मैं यह सोचूं कि मुझे कितना प्यार या सम्मान मिलेगा, तो मैं अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाऊंगी।

किडनी को डैमेज होने बचाना है तो जान लें रोजाना कितने लीटर पानी पीना चाहिए?

किडनी के स्वास्थ्य में हाइड्रेशन की अहम भूमिका होती है. किडनी का काम खून से गंदगी और जहरीले पदार्थों को छानकर बाहर निकालना है. पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी में पथरी और यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन से बचाव होता है. विशेषज्ञों का कहना है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीना किडनी के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह किडनी को अपशिष्ट पदार्थों और विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी के कामकाज पर पड़ने वाले किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सकता है. इसलिए, शरीर में पानी की कमी होने पर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं. आइए जानते हैं कि अपनी किडनी को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना कितना पानी पीना चाहिए...

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीता है, तो यह आदत उसके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होती है. विशेषज्ञों का कहना है कि पानी पीने के अनेक लाभ हैं उदाहरण के लिए, यह शरीर में पानी की कमी को रोकता है और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी का स्वास्थ्य बेहतर होता है. किडनी को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका होती है.

किडनी के स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह शरीर से जहरीले पदार्थों (जैसे यूरिया और क्रिएटिनिन) और मिनरल्स को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी में पथरी बनने की संभावना कम हो जाती है. इस प्रक्रिया से किडनी पर काम का बोझ कम होता है और खून साफ रहता है. इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा भी कम हो जाता है.

एक अध्ययन के अनुसार, विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को हर दिन लगभग 6-8 गिलास पानी पीना चाहिए. हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर को कितनी मात्रा में पानी की जरूरत होती है, यह हमारी सेहत के साथ-साथ तापमान, फिजिकल एक्टिविटी और काम पर भी निर्भर करता है.

विशेषज्ञों का कहना है कि पानी पेशाब, पसीने और मल के जरिए शरीर से बेकार चीजों को बाहर निकालने में मदद करता है, शरीर का सामान्य तापमान बनाए रखता है, जोड़ों के काम को आसान बनाता है और कोमल ऊतकों को नुकसान से बचाता है. जब शरीर में पानी का लेवल कम हो जाता है, तो ये सभी प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं. इसके साथ ही यह भी बताया गया है कि पानी की मात्रा कम होने पर खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है. इस प्रक्रिया में, यूरिक एसिड किडनी के माध्यम से उत्सर्जित होता है, और यदि आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो यह किडनी की पथरी का रूप ले सकता है. इसके साथ ही बताया गया है कि शरीर में पानी की मात्रा में जरा सी भी कमी होने पर, फिल्ट्रेशन की प्रक्रिया के दौरान किडनी का काम धीमा पड़ जाता है. एक अध्ययन के अनुसार, गंभीर डिहाइड्रेशन से किडनी को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए, हेवी वर्क या एक्सरसाइज करते समय, खासकर गर्म और उमस भरे मौसम में, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है.

विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप में या बहुत ज्यादा गर्म माहौल में लंबे समय तक काम करने से शरीर से पानी और नमक तेजी से कम हो जाता है. इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है. इस प्रोसेस में, अगर शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, तो किडनी पर ज्यादा दबाव पड़ता है. इस संदर्भ में, द लैंसेट रीजनल हेल्थ.दक्षिण-पूर्व एशिया जर्नल के अनुसार, जो किसान और मजदूर धूप में काम करते हैं, उन्हें गर्मी और शारीरिक तनाव के कारण किडनी फेल होने का खतरा रहता है.

विशेषज्ञों का सुझाव है कि किडनी से जुड़ी समस्याओं को रोकने और खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने से बचने के लिए जीवनशैली और खान-पान की आदतों में बदलाव जरूरी है. विशेषज्ञ तरबूज, खीरा और पालक जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह देते हैं. उनका कहना है कि नारियल पानी शरीर से अशुद्धियों को बाहर निकालने में मदद करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है. इसके साथ विशेषज्ञ रोजाना कसरत करने और अपने शरीर का वजन नियंत्रण में रखने की भी सलाह देते हैं. इसके अलावा, वे किडनी से जुड़ी जटिलताओं को रोकने के लिए शराब और स्मोकिंग से दूर रहने की सलाह देते हैं.

Delhi CM meets PM Modi, discusses national capital's development

New Delhi, Agency: Delhi Chief Minister Rekha Gupta met Prime Minister Narendra Modi on Saturday and discussed the national capital's all-around development.

"I had the privilege of a heartfelt meeting with the Honourable Prime Minister Narendra Modi during which I received his invaluable guidance. His visionary leadership and special affection for Delhi always fill us with fresh energy and inspiration," Gupta said in a post on X.

The BJP leader said that during the meeting, detailed discussions on Delhi's all-around development were held, including strengthening infrastructure, and commitment to fulfilling the people's aspirations.

"With the able guidance and continuous support of the prime minister, we are fully committed to taking Delhi to new heights of progress, prosperity, and good governance," she added.

Gupta also thanked the prime minister for his constant inspiration and for giving his valuable time.

SOL students 'excluded' from Delhi University job mela, protest 'discrimination'

New Delhi, Agency: Students of Delhi University's School of Open Learning (SOL) on Friday held a protest outside the venue of a job mela, organised by DU, alleging discriminatory treatment after an internal circular categorically barred them from participating in it.

Later, SOL principal, Ajay Jaiswal, and the dean of students' welfare, Ranjan Tripathi, met the protesters and allowed them to participate in the programme, the students said. Media reached out to the officials, but there was no response from them.

"The administration assured that SOL students would not be barred from such programmes in the future," Krantikari Yuva Sangathan (KYS), under whose banner the protest was held, said in a statement.

The job mela is held annually on the campus for DU students. However, SOL students said they were denied entry, even as DU alumni were allowed to participate. Several students gathered outside the gate, raising slogans and carrying placards that read "Stop discrimination against SOL students" and "Equal rights for all DU students". SOL is a branch of Delhi University that provides a flexible and affordable alternative to regular colleges, catering largely to working students.

Delhi tunes into sur and sangeet under the stars

New Delhi, Agency: For over two decades, SPIC MACAY has been taking Indian classical music beyond conventional auditoriums and into public spaces through its community outreach initiatives across the country. One of its most popular initiatives, the Music in the Park series, is part of this larger ision.

This year marks the 22nd year of the Music in the Park series at Nehru Park, and the season featured performances by renowned artists including Rakesh Chaurasia, Ulhas Kashalkar, Sanjay Subrahmanyan and N. Rajam. The concerts were well received by music lovers, reaffirming the enduring appeal of classical music presented in open, accessible public spaces and continuing the legacy of bringing classical music closer to the public. The edition was hosted in collaboration with NDMC.

Launched in September 2004 in Delhi, the series was conceived to celebrate India's composite cultural heritage while also creating awareness about the importance of a peaceful and clean environment. By bringing classical music to open public spaces, the initiative aimed to make the art form more accessible and encourage people to experience music in a relaxed, community setting.

Signalling the '6G' era: IIIT-Delhi bags patent for smart radio system

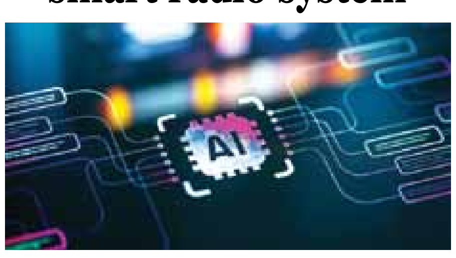

New Delhi, Agency: In a significant step towards future-ready communication, the Indraprastha Institute of Information Technology (IIIT), New Delhi, secured a patent for its cutting-edge smart radio system, designed to transform wireless connectivity in complex environments.

The patented innovation introduces an advanced Reconfigurable Intelligent Surfaces (RIS) framework that enables flexible beamforming and ensures seamless connectivity, even in non line of sight conditions where traditional networks often struggle. What makes the development stand out is its real-world readiness. The working of the system has already been presented at the Indian Mobile Congress-2024, showcasing how RIS-enabled communication can move beyond theory into practical deployment.

Professor Vivek Ashok Bohara said, "The patent is a reflection of our strong commitment to advance research in next-generation wireless technologies. Since the world is moving towards 6G and beyond, such innovations will prove to be highly crucial in adapting to intelligent and flexible communication environments.

With industries progressing toward 6G sand marter digital ecosystems, the milestone places the institute at the forefront of innovation, reinforcing its role as a hub for advanced research in intelligent radio systems. With this patent, IIIT Delhi not only strengthens India's position in global telecom research but also signals a future where connectivity is smarter, faster and more adaptive than before.

MCD likely to hold town vending panel elections by July

New Delhi, Agency: Municipal Corporation of Delhi (MCD) is aiming to conduct elections for town vending committees (TVC) by July, a key step towards creating designated vending zones across the city. Officials said the civic body has completed the re-survey of pending street vendors in its jurisdiction and is in the process of issuing certificates of vending (CoV). In Phase I, 62,333 certificates were issued till Dec 31, 2021. However, as not all vendors were covered, Delhi govt directed a re-survey. In the second phase, around 22,000 additional vendors have been identified.

"We expect to conduct the elections within four months. The town vending committees will identify vending zones, regulate street vendors, assign legal vending spaces, and balance vendors' rights with pedestrian movement and public safety," an official said. According to MCD, around 27 committees will be formed across the city. Each committee will have 12 vendor representatives, while the remaining members will include experts, representatives of RWAs, market associations and voluntary organisations.

Only vendors holding valid CoVs will be eligible to vote in the elections, for which MCD will prepare voter lists. The civic body has 250 wards across 12 zones, and as per norms, at least one committee is to be formed for every eight wards in each zone.

The committees will also have the authority to relocate vendors from congestion-prone areas, create designated vending and no-vending zones, and address issues such as traffic disruption.

West Asia conflict: Govt hikes commercial LPG quota, relief for eateries

New Delhi, Agency: In a move aimed at benefiting the food and hospitality industry, govt on Saturday announced a 20% additional quota of commercial LPG cylinders, taking the overall allocation to 50% of pre-conflict levels.

The ministry of petroleum and natural gas said the additional allocation will be prioritised for restaurants, dhabas, hotels, industrial canteens, food processing and dairy units, subsidised canteens and outlets run by state govts and local bodies, and community kitchens. It will also strengthen the distribution of 5kg portable cylinders for migrant workers. The allocation will be available from Monday.

Govt said entities availing commercial LPG cylinders will have to register with oil marketing companies, detailing end use of the gas, and must also register for piped gas connections to be eligible for the additional allocation.

Hotel associations have estimated that nearly 30% of hotels and restaurants had to shut due to the shortage of LPG supplies, while many others reduced operating hours, cut down menus and restricted kitchen activity to conserve available stocks.

Though govt maintained on Saturday that LPG supply remained a matter of concern amid geopolitical conditions, the decision to increase commercial allocation suggests the overall situation may have improved slightly. Till Thursday, 13,700 new piped gas connections had been issued over nearly a fortnight, while more than 7,300 consumers shifted from LPG to PNG since the beginning of the week. Following supply disruptions due to the military conflict in West Asia, govt had initially halted the sale of commercial cylinders and prioritised domestic LPG, besides ensuring supplies to hospitals and educational institutions. It later allowed 20% of the average monthly requirement for commercial and industrial users, leaving it to states to decide distribution priorities. On March 18, the ministry issued another order allowing an additional 10% allocation to states, subject to reforms and faster expansion of PNG infrastructure. Over 20 states and UTs have since issued orders to allocate non-domestic LPG in line with the guidelines.

India imports nearly half of its LPG requirement, with about 90% sourced from West Asia. Apart from a deal with the US, it is also tapping countries such as Russia, Japan and Norway for supplies.

In a letter to chief secretaries of states and UTs, petroleum secretary Neeraj Mittal said all commercial and industrial LPG consumers must register with oil marketing companies to be eligible for allocation from the overall 50% quota. "OMCs shall register such customers and keep a record of the sector they operate in, the end-use of LPG and the annual weight requirement... of that customer in the respective database(s)," Mittal said.

Strings of legacy echo at Kamani

New Delhi, Agency: At the core of classical music lies an unspoken bond between the artist and the listener - a connection that transcends barriers and speaks directly to the soul. After a gap of nearly a decade, sarod maetro Debojyoti Bose performed in the presence of his guru, the legendary Ustad Amjad Ali Khan, at Kamani Auditorium. He was accompanied on tabla by Kumar Bose and Rohen Bose.

The concert was part of IHFFI's flagship initiative Root Chetna, supported by the Gurugram Festival team. Belonging to the Senia Bangash gharana, a lineage known for its expansive and introspective approach to melody, Debojyoti Bose presented a performance that balanced precision with emotion, and tradition with improvisation.

AIIMS-Delhi old OPD canteen trims menu amid gas cylinder crisis

New Delhi, Agency: For two weeks now, old OPD canteen at the country's largest Central Government tertiary hospital, AIIMS, New Delhi, has been battling an acute commercial LPG supply crunch amid the West Asia crisis. Though the canteen manager wrote to Indian Oil Corporation for LPG supplies with due recommendations from AIIMS officials, the facility has not been getting its prewartime supply of four cylinders a day.

The facility, widely known as old OPD canteen, is run privately by JS Hospitality. The government has prioritised hospitals for commercial LPG supplies, but the canteen has not received its regular LPG supply for a week now.

During a visit to the canteen, which serves around 500-600 people daily, including patients, attendants and hospital staff, manager Puran Shah said the canteen doesn't have an LNG pipeline. It is dependent on commercial cylinders for cooking. The canteen needs four cylinders daily to meet cooking needs.

"There was no LPG supply last week, affecting operations severely," Shah said. The canteen has a commercial connection from Indian Oil distributor, Guruji Indian Gas Service, in Mundka. Shah said they tried to contact delivery person, but to no avail.

To continue operations, the canteen earlier procured cylinders through informal channels at inflated prices ranging between Rs 3,000 and Rs 5,000 per refill. Now even this channel is closed as there are no cylinders, says Shah.

The canteen has now shifted to alternative cooking methods such as induction cooktops and electric kettles and cylinders sourced from some other facilities at AIIMS.

The canteen has also trimmed it menu. It has temporarily removed certain items, including sambar vada and samosas, from the menu.

During the visit, empty LPG cylinders were found stacked in the canteen's backyard, indicating the extent of the supply disruption.

Budget: Traders ask for conversion of industrial areas in city to freehold

New Delhi, Agency: Trader associations have written to chief minister Rekha Gupta with 11 suggestions to be incorporated in the upcoming Delhi budget, which may be tabled on March 24.

Among the major demands is the conversion of industrial areas such as Bawana, Bhorgarh, Jhilmil, and Badli from leasehold to freehold. Traders have also sought rationalisation of circle rates to better align them with market realities and reduce transaction-related challenges.

"Keeping in mind the problems of market associations and factory owners across 56 industrial areas, we have sent a demand letter to CM Rekha Gupta. There are discrepancies in circle rates at several places which should be rectified. Minimum wages in Delhi are much higher than neighbouring states, making it difficult to find labour," said Brijesh Goyal, chairman of the Chamber of Trade and Industry.

Members also highlighted that electricity rates in Delhi's industrial areas should be rationalised. They further demanded a separate warehouse policy for better management and maintenance of warehouses.

Inside Delhi Metro's only museum at Supreme Court station

A journey showing how city keeps moving

New Delhi, Agency: Amid the rush of commuters and the rumble of arriving trains, commuters are taken on a different journey at the Supreme Court Metro Station, offering a peek at howDelhi Metro keeps the city moving.Tucked inside the metro station, the city's lone metro museum traces the over-two-decade long journey of Delhi Metro through tunnels, trains and engineering challenges. Spread over 12,000 sq ft in its first phase, the space doubles as an educational and recreational hub.

The main draw is a full-scale train simulator that recreates a metro driver's cabin, allowing visitors to expe-rience what it feels like to operate a train. Another highlight is a working model of a running train, detailing underground and elevated sections, including bridges and viaducts.

Twelve-year-old Anushka Sud, who recently visited the museum, said the experience made her rethink what goes into building such a vast system. "It felt like I was actually driving a train beneath the city, with tunnels and bridges coming alive before me. The simulator made the experience thrilling, and the models helped me understand how everything works."

Other highlights include a Digital Augmented Reality display, an interactive touch-screen route map, an interactive video screen, touch-screen quizzes about metro construction and a mock metro tunnel of 28x12 ft to provide an educational playground for students.

"Working models of Tunnel Boring Machines (TBMs) and Launching Girders give a hands-on look at how the city's underground and elevated tracks were built. In real life, these "mechanical moles" weigh over 400 tonnes and can dig through solid rock," said a DMRC official.

A section of the museum documents how Delhi Metro's Phase I was completed nearly three years ahead of schedule, a rare achievement in large infrastructure projects worldwide. Another gallery honours E Sreedharan, the project's chief architect.

Since its opening on Dec 17 last year, the museum has attracted around 15,000 visitors (data till Feb 10, 2026). The museum has higher footfalls at weekends, with a surge of 2.5% to 3%, than on other days. "For just Rs 10, any visitor can now journey through the past, present and future of the Delhi Metro," said the official.